राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

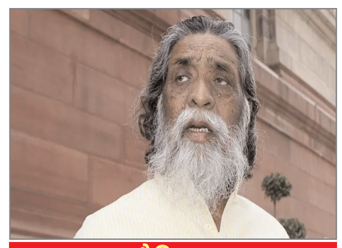

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 02 अप्रैल 2026
वर्ष 14, अंक 340, पृष्ठ 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

भतोइया ओवरब्रिज अंडरपास पर पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, चालक समेत चार लोग घायल...03

सीसीटीएनएस कार्यान्वयन में दिल्ली पुलिस फिर देश में नंबर-1 ...04

हमारे पास बीजों का पर्याप्त स्टॉक... ईरान-अमेरिका जंग के बीच सरकार का किसानों को भरोसा

ईरान-अमेरिका के बीच चल रहे जंग के बीच भारत सरकार ने कहा कि भारत के पास आने वाले बुआई के मौसम के लिए काफी बीज स्टॉक मौजूद है. एडिशनल सेक्रेटरी, एग्रीकल्चर और किसान कल्याण, मनिंदर कौर द्विवेदी ने वेस्ट एशिया में हाल के डेवलपमेंट पर सरकार की इंटर-मिनिस्ट्रियल ब्रीफिंग के दौरान कहा कि भारत के पास आने वाले बुआई के मौसम के लिए काफी बीज स्टॉक मौजूद है. देश में बीजों के प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन के लिए प्राइवेट सेक्टर के अलावा ICAR और पब्लिक सेक्टर का सपोर्टेड एक सेल्फ-रिलायंट बीज सिस्टम है. किसी भी पॉसिबल रुकावट को पूरा करने के लिए सभी स्टेज (सर्टिफाइड, फाउंडेशन, हाइब्रिड बीज) पर काफी बीज और ब्रीडिंग मटीरियल के साथ एक मजबूत पाइपलाइन भी मौजूद है. खरीफ सीजन 2026 के लिए, सरकार ने लगभग 19.29 लाख क्विंटल सरप्लस के साथ एक आरामदायक बीज अवेलेबिलिटी की स्थिति बताई. द्विवेदी ने बताया कि देश के एग्रीकल्चर सेक्टर को 166.46 लाख क्विंटल की जरूरत है, जबकि देश में 185.74 लाख क्विंटल अवेलेबल है. इसके अलावा, रबी सीजन के बीज के इनपुट भी मौजूद हैं. द्विवेदी ने कहा, 'सभी एग्रो कमोडिटीज़ के होलसेल प्राइस के लिए प्राइस सिचुएशन पर भी नजर रखी जा रही है. मोटे तौर पर, वे नॉर्मल रेंज में हैं, जैसा कि वे पिछले कुछ सालों से रहे हैं. टॉप क्रॉप्स, टमाटर, प्याज और आलू के प्राइस रेंज में हैं और होलसेल लेवल पर बेहतर ट्रेंड के साथ उनमें सुधार दिख रहा है।

LPG-PNG के अलॉटमेंट को प्राथमिकता

ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल की चल रही लड़ाई के बीच, सरकार ने मक्के के बीज सुखाने के लिए LPG/PNG के अलॉटमेंट को प्रायोरिटी दी है, और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (OMCs) को बिना रुकावट फ्यूल सप्लाई भी पक्का किया है. फर्टिलाइज़र की सिचुएशन स्टेबल है. सरकार ने कहा कि आने वाले खरीफ सीजन के लिए देश के पास ओपनिंग स्टॉक के तौर पर काफी फर्टिलाइजर है. खरीफ 2026 के लिए राज्यों के साथ सलाह-मशविरा करके भारत की खाद की जरूरत 390.54 LMT आंकी गई है, जिसमें से 180 LMT (46%) ओपनिंग स्टॉक के तौर पर उपलब्ध है. केंद्र ने 30 मार्च को कृषि और किसान कल्याण विभाग, मत्स्य पालन विभाग और राज्य सचिवों की एक मीटिंग की ताकि खाद के सही इस्तेमाल की जांच की जा सके और समय पर और सही तरीके से आखिरी छोर तक डिलीवरी सुनिश्चित की जा सके. गैर-कृषि इस्तेमाल, जमाखोरी वगैरह के लिए खाद के इस्तेमाल पर कड़ी नजर रखने के लिए, मंत्रालय ने राज्यों के साथ मिलकर देश भर में सख्ती शुरू की है।

नैनो फर्टिलाइजर, बायो फर्टिलाइजर को बढ़ावा

मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के बीच, सरकार नैनो फर्टिलाइजर, बायो फर्टिलाइजर और बायो-स्टिमुलेंट जैसे दूसरे फर्टिलाइजर के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है. मध्य प्रदेश, हरियाणा और तेलंगाना जैसे कई राज्यों ने किसान डेटाबेस/जमीन के रिकॉर्ड के साथ खाद की बिक्री को जोड़ने के मॉडल लागू किए हैं. 19 राज्यों ने किसान ID बनाना शुरू कर दिया है. फर्टिलाइजर के अलावा, भारत में आने वाले खेती के मौसम के लिए जरूरी पेस्टिसाइड और दूसरे एग्रोकेमिकल भी काफी मात्रा में मौजूद हैं. सरकारी अधिकारी ने कहा कि केंद्र राज्यों और UTs के साथ लगातार बातचीत कर रहा है और इसके लिए हर हफ्ते मॉनिटरिंग कर रहा है. अप्रैल-फरवरी 2026 के दौरान, देश में 2,61,099 MT पेस्टिसाइड का प्रोडक्शन हुआ. कुल अनुमानित डिमांड 74,266 MT है, जिसमें से खरीफ 2026 में 42,000 MT की जरूरत है।

नकली या मिलावटी पेस्टिसाइड पर कार्रवाई

अफवाहों और गलत तरीकों को देखते हुए, केंद्र ने मल्टी-स्टेकहोल्डर कोऑर्डिनेशन अप्रोच में नकली या मिलावटी पेस्टिसाइड पर कार्रवाई करने की भी कोशिशें शुरू की हैं. यह राज्यों के साथ मिलकर इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट (IPM) पर भी फोकस कर रहा है. सरकार बायोपेस्टीसाइड्स और सस्टेनेबल तरीकों को बढ़ावा दे रही है, और किसानों की जागरूकता और निगरानी, पेस्ट सर्विलांस को बढ़ाने और सटीक सलाह देने की कोशिश कर रही है. द्विवेदी ने बताया कि एग्रो कमोडिटीज की कीमतें काफी हद तक स्थिर हैं और उन पर करीब से नजर रखी जा रही है. उन्होंने कहा कि टमाटर, प्याज और आलू की फसलों की कीमतें एक रेंज में हैं और तीनों की कीमतों में थोड़ा सुधार दिख रहा है।

अरविंद केजरीवाल की रैलियों में उमड़ी भीड़ से डरी BJP. ..ईशुदान गढ़वी की गिरफ्तारी पर संजय सिंह का निशाना

आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी की गिरफ्तारी पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर करारा हमला बोला है. ईशुदान गढ़वी पार्टी कार्यकर्ताओं की अवैध गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने पहुंचे थे. अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले तीन महीनों में गुजरात में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ 145 एफआईआर हो चुकी हैं और 160 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को भाजपा सरकार गिरफ़्तार कर चुकी है. भाजपा गुजरात में हार के डर से आम आदमी पार्टी से बुरी तरह से बौखलाई हुई है और अब तानाशाही पर उतर आई है।

वही आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि पिछले तीन महीने में आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर 145 एफआईआर और करीब 160 नेताओं व कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है. उन्हें जेल में डाला गया, यातनाएं दी गई और अपने पक्ष में झुकाने के लिए दबाव बनाया गया, लेकिन पार्टी के कार्यकर्ता और नेता चट्टान की तरह खड़े रहे।

आप कार्यकर्ता दीपक कुमार की भी गिरफ्तारी

संजय सिंह ने कहा कि मंगलवार को आप कार्यकर्ता दीपक कुमार को कुछ गुंडों ने पीटा. जब वह अपनी शिकायत लेकर थाने गया, तो पुलिस ने उसी को गिरफ्तार कर लिया और उस पर धारा 307 लगा दी. इसके बाद जब पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी अपने कार्यकर्ता की पैरवी करने थाने गए, तो उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया. संजय सिंह ने आगे कहा कि इसुदान गढ़वी की पूरे गुजरात में पकड़ है

और उन पर ऐसी कार्रवाई करके सरकार उन्हें दबा नहीं पाएगी. आम आदमी पार्टी के लोग जेल जाते हैं, लाठियां खाते हैं, मुकदमे झेलते हैं और बाहर आकर फिर लड़ते हैं. इसुदान गढ़वी भी बहादुर नेता हैं और वह भी बाहर आकर फिर से लड़ेंगे. आप नेताओं को झुकाया नहीं जा सकता।

पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा केवल एक ही काम करती है, जो भी आवाज़ उठाए उसको जेल में डाल दो. आप के गुजरात के अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी की गिरफ्तारी भी उनकी हताशा का प्रमाण है. सत्ता में बैठे लोगों को यह याद रखना चाहिए कि जनता सब देख रही है और समय आने पर वही जनता इसका कड़ा जवाब भी देती है।

भाजपा को आखिर इतना डर क्यों है भाई-सौरभ

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले कई दिनों से गुजरात में हमारे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को गुजरात पुलिस लगातार गिरफ्तार कर रही है. गुजरात की बीजेपी पुलिस ने गुजरात आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी को भी अरेस्ट कर लिया है. भाजपा को आखिर इतना डर क्यों है भाई?

आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रभारी गोपाल राय ने कहा कि गुजरात की भाजपा सरकार आम आदमी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता और पार्टी के जांबाज, निडर कार्यकर्ताओं व नेताओं से इतनी डर गई है कि आए दिन कहीं न कहीं हमारे लोगों को गिरफ्तार कर रही है।

आप की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि गुजरात की जनता भाजपा से बुरी तरह परेशान हो चुकी है और 2027 के विधानसभा चुनावों में उन्हें सत्ता से बेदखल करने का पूरा मन बना चुकी है. इसी बौखलाहट के चलते भाजपा की पुलिस आम आदमी पार्टी के उन नेताओं और कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज कर रही है।

कुछ महीने के अंदर दर्जनों कार्यकर्ता गिरफ्तार-पाठक

दुर्गेश पाठक ने कहा कि पिछले कुछ महीने अंदर दर्जनों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, जिसमें नवीन काकरान, मुन्ना कुमार, आलोक सिंह, पुनीत राज, पवन, जगदीश, पुनीत सिंह, ईश कुमार अरोड़ा, कमलेश कोटेचा, अतुल बेगड़, कुणाल शाह, नितेश चौधरी, कुणालभाई, रितेश पटेल, विजय पटेल, नितिनभाई, सूरज, हर्ष, विजय सिंह चावड़ा, श्याम सुंदर, पवन, सीताराम भोए, कृष्ण कुमार यादव, विस्मय त्यागी, हरेशभाई सावलिया, सुनील छटासिया, रविंद्र कुमार और अतुल ओझा को भी पकड़कर जेल में डाला गया. ये तो चंद नाम हैं. गुजरात की भाजपा सरकार ने आप के बहुत सारे नेताओं और कार्यकर्ताओं को पकड़कर जेल में डाला है और उनका उत्पीड़न किया है।

संक्षिप्त ख़बरें

गंगादास आश्रम का उत्तराधिकारी कौन? गद्दी के लिए साधुओं में मारपीट, FIR दर्ज

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में मौजूद गंगादास आश्रम की गद्दी के लिए साधुओं में संग्राम हो गया. आश्रम में मानवता अभ्युदय महायज्ञ के लिए गंगा पूजन हेतु संतों का एक पक्ष गंगा घाट पहुंचा था. तभी उत्तराधिकार को लेकर दूसरा पक्ष भी गंगा घाट पहुंच गया और खुद को आश्रम का उत्तराधिकारी बताते हुए मारपीट करने लगा, जिससे कई साधु-संत घायल हो गए. सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और इस मामले में आरोपी संत सहित कई अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गाजीपुर का गंगादास बाबा आश्रम लोगों के लिए आस्था का केंद्र पिछले कई दशकों से बना हुआ है. अब यह आश्रम उत्तराधिकार को लेकर जंग का अखाड़ा बन गया है. इसका नजारा 28 मार्च को तब देखने को मिला, जब आश्रम में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले मानवता अभ्युदय महायज्ञ के तहत गंगा पूजन कराया जा रहा था. इस दौरान आश्रम के महंत और अध्यक्ष भोलादास अपने शिष्यों के साथ पूजा कर रहे थे, तभी गंगा घाट पर राजेंद्र दास, जो राम मंगल दास के शिष्य बताए जा रहे हैं, अपने दर्जनों समर्थकों के साथ पहुंचे. उन्होंने वहां पहले से पूजा कर रहे भोलादास और उनके लोगों को गालियां देना शुरू किया और फिर लात-घूंसे से मारपीट भी शुरू कर दी. इस मारपीट की घटना में संत गोरख दास, रोहित यादव और कालीचरण यादव को चोटें आई. इस दौरान हमलावर लोग मारपीट के साथ ही जान से मारने की धमकी भी दे रहे थे, जबकि भोलादास लगातार अपने लोगों को शांत रहने के लिए कहते रहे।

अंदर पैंट-शर्ट है बैन

इस पूरे मामले की जानकारी जैसे ही कोतवाली पुलिस और प्रशासन को हुई, तो तत्काल उपजिलाधिकारी के साथ पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को कोतवाली ले जाया गया. वहां दोनों पक्षों की बातें सुनी गई और उनके द्वारा अपने-अपने पक्ष में कागजात भी पेश किए गए. वहीं दो दिनों बाद भोलादास की तहरीर पर राजेंद्र दास, विशाल, अंकित यादव, सियाराम यादव, अवधेश यादव सहित कुछ अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

बताया जाता है कि यह मठ कोतवाली क्षेत्र के बयपुर देवकली गांव में गंगा के किनारे स्थित है. यहां की मान्यता है कि परिसर में कोई भी पुरुष पैंट-शर्ट पहनकर प्रवेश नहीं कर सकता, बल्कि धोती पहनकर ही प्रवेश करने की परंपरा है, जो सदियों से चली आ रही है.।

कोलकाता में सोना पप्पू के घर पर ED की रेड, 1.2 करोड़ कैश जब्त, TMC का है करीबी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार को कोलकाता में कई जगहों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन शुरू किया. इसमें दक्षिण कोलकाता में एक बिजनेसमैन और टीएमसी नेता का घर भी शामिल है. यह मामला गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन और जमीन हड़पने से जुड़े कथित फाइनेंशियल गड़बड़ियों के मामले में हैं. ईडी सूत्रों का कहना है किकोलकाता में अपराधी सोना पप्पू के यहां छापेमारी में ईडी को 1.2 करोड़ रुपए कैश मिले. सोना पप्पू कोलकाता का एक अपराधी है, उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं और एड उसके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है. ईडी सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी ने कस्बा-बालीगंज इलाके में बिस्वजीत पोद्दार, जिन्हें सोना पप्पू के नाम से भी जाना जाता है, के फर्न रोड वाले घर पर सुबह-सुबह रेड मारी. सर्च सुबह करीब 7 बजे शुरू हुई, जिसमें ईडी अधिकारियों के साथ सेंट्रल आर्म्ड फोर्स के जवान भी थे. यह कार्रवाई साउथ कोलकाता के कुछ

हिस्सों में चल रहे गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन सिंडिकेट से जुड़े कथित फाइनेंशियल कदाचार की चल रही जांच का हिस्सा है. अधिकारियों ने बताया कि पोद्दार के खिलाफ पहले ही कई FIR दर्ज हो चुकी हैं, जिनमें जबरन वसूली, धमकी और जबरदस्ती के आरोप हैं. ईडी सोना पप्पू के करीबी राहुल दास के घर भी पहुंची. काकुलिया रोड पर घर पर भी सर्च की।

अवैध निर्माण और जबरन वसूली के आरोप

सूत्रों ने बताया कि ईडी पिछले कुछ दिनों से कम से कम चार से पांच FIR की जांच कर रहा था, जिसके बाद बुधवार को कोऑर्डिनेटेड रेड की गई. जांचकर्ताओं को शक है कि पोद्दार का कस्बा और बालीगंज में कई लोकल सिंडिकेट पर कंट्रोल था और कथित तौर पर कंस्ट्रक्शन कंपनियों से बड़ी रकम इकट्ठा करता था. दावा है कि ये पैसे असरदार लोगों तक पहुंचाए गए. पोद्दार के घर के अलावा ईडी अधिकारियों ने बालीगंज में सन एंटरप्राइज नाम की एक फर्म के ऑफिस समेत पांच से छह दूसरी जगहों पर भी तलाशी ली. हालांकि, यह साफ नहीं है कि फर्म का पोद्दार से कोई सीधा लिंक है या नहीं।

चुनाव से पहले ईडी का एक्शन तेज

ईडी की नई एक्टिविटी ऐसे समय में हुई है जब राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और यह राजनीतिक रूप से सेंसिटिव समय है. पोद्दार का नाम हाल ही में रवींद्र सरोबर के पास दो ग्रुप्स के बीच हुई झड़प में भी सामने आया था, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है. जबकि लोगों ने इस घटना में उसके साथियों के शामिल होने का आरोप लगाया है, पोद्दार ने किसी भी भूमिका से इनकार किया है।

नाम छिपाया, पर नहीं छिपी करतूत! कचरा गाड़ी से किया देवी-देवताओं का विसर्जन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में नगर पालिका प्रशासन की एक शर्मनाक करतूत सामने आई है। जहां प्रसिद्ध देवरही माता मंदिर में रामनवमी उत्सव के समापन के बाद देवी-देवताओं की मूर्तियों के विसर्जन के लिए कूड़ा ढोने वाली गाड़ी का इस्तेमाल किया गया। आस्था के साथ हुए इस खिलवाड़ का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे शहर में भारी आक्रोश है।

लाल कपड़े से छिपाई नापाकी

नगर पालिका प्रशासन को अपनी इस गलती का अंदाजा शायद पहले से था, इसीलिए उन्होंने कूड़ा गाड़ी पर लिखे स्वच्छता मिशन और नगर पालिका के नाम को छिपाने के लिए उसे चारों तरफ से लाल कपड़े से ढंक दिया था। प्रशासन ने सोचा था कि कपड़े की आड़ में वे मूर्तियों को चुपचाप विसर्जन स्थल तक पहुंचा देंगे, लेकिन किसी जागरूक नागरिक ने इस मंजर

को कैमरे में कैद कर लिया और सच्चाई सबके सामने आ गई।

DM की मौजूदगी के बावजूद बड़ी लापरवाही

हैरानी की बात यह है कि जिस देवरही माता मंदिर से ये मूर्तियां निकाली गई, वहां रामनवमी के अवसर पर खुद जिलाधिकारी (DM) दिव्या मित्तल ने पूजा-पाठ और भजन संध्या का भव्य आयोजन किया था। एक तरफ जिला प्रशासन भक्ति भाव में डूबा रहा, तो दूसरी तरफ नगर पालिका के कर्मचारियों ने विसर्जन के लिए कचरा उठाने वाले वाहन का उपयोग कर करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुँचाई।

एक्शन में प्रशासन- वाहन प्रभारी निलंबित

वीडियो वायरल होने और लोगों का गुस्सा भड़कने के बाद नगर पालिका प्रशासन तुरंत हरकत में आया। अधिशासी अधिकारी (EO) ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित वाहन प्रभारी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इस पूरे प्रकरण की गहराई से जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है, जो यह पता लगाएगी कि विसर्जन के लिए सम्मानजनक वाहन के बजाय कूड़ा गाड़ी क्यों भेजी गई।

भक्तों में उबाल

स्थानीय निवासियों और हिंदू संगठनों ने इस घटना को अक्षम्य अपराध करार दिया है। लोगों का कहना है कि भगवान की प्रतिमाओं के साथ इस तरह का व्यवहार प्रशासन की घोर संवेदनहीनता को दर्शाता है। फिलहाल, इलाके में तनाव और नाराजगी को देखते हुए पुलिस और प्रशासन स्थिति को संभालने में जुटे हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं... भोजशाला विवाद पर बोले सीजेआई सूर्यकांत, सुप्रीम कोर्ट से मुस्लिम पक्ष को लगा झटका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भोजशाला विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसने मामले की मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन इस स्तर पर हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है. मामले की सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ वकील सलमान खुर्शीद ने कई अहम दलीलें पेश कीं. उन्होंने कोर्ट से मांग की कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में 2 अप्रैल से शुरू होने वाली सुनवाई को टाल दिया जाए और सर्वेक्षण से जुड़ी वीडियोग्राफी तथा रंगीन तस्वीरें मस्जिद कमेटी को उपलब्ध कराई जाएं. खुर्शीद ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की रिपोर्ट पर जवाब देने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया और बिना पूरी सामग्री उपलब्ध कराए जल्दबाजी में सुनवाई की जा रही है।

CJI सूर्यकांत की सख्त टिप्पणी

इन दलीलों पर सुनवाई करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को भरोसा है कि हाईकोर्ट सभी आपत्तियों पर उचित तरीके से विचार करेगा. उन्होंने कहा, 'हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि उच्च न्यायालय वीडियोग्राफी का अवलोकन करेगा और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के

अनुसार सभी आपत्तियों पर निर्णय लेगा.' कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर किसी पक्ष को कोई शिकायत है तो वह हाईकोर्ट का रुख कर सकता है।

वीडियोग्राफी और साक्ष्य पर सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि सर्वे रिपोर्ट में कुछ आपत्तियां सूचीबद्ध हैं, जबकि कुछ अन्य आपत्तियां शामिल नहीं हैं. ऐसे में वीडियोग्राफी अदालत में चलाई जाएगी और सभी पक्ष उसकी सत्यता पर सवाल उठा सकते हैं. कोर्ट ने यह भी कहा कि रिपोर्ट में सभी इलेक्ट्रॉनिक और दस्तावेजी साक्ष्य शामिल किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता बनी रहे।

यह याचिका मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी की ओर से दायर की गई थी, जिसमें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के 16 मार्च के आदेश को चुनौती दी गई थी. हाईकोर्ट ने अपने आदेश में विवादित भोजशाला स्थल के सेल्फ-इंस्पेक्शन की अनुमति दी थी. यह आदेश हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया था, जिसमें इस स्थल को देवी वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर घोषित करने की मांग की गई है।

हिंदू पक्ष की दलील

हिंदू पक्ष की ओर से वकील विष्णु जैन ने कहा कि हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की मांग को खारिज नहीं किया है, बल्कि यह कहा है कि सभी आपत्तियों पर अंतिम सुनवाई के दौरान विचार किया जाएगा. इस सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने उसके पूर्व आदेशों का सम्मान करते हुए अंतरिम व्यवस्था दी है और सभी आपत्तियों को रिकॉर्ड पर लिया गया है. कोर्ट ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट वीडियोग्राफी और अन्य साक्ष्यों की जांच कर सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला करेगा।

शिकायत देने आए, म्यूनिसिपल कमिश्नर के दफ्तर के बाहर पढ़ी हनुमान चालीसा... 60 लोगों पर दर्ज हो गई FIR

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में म्यूनिसिपल कमिश्नर (नगर आयुक्त) के दफ्तर के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने पर करीब 60 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. मामला जिले के सिविल लाइंस इलाके में स्थित नगर आयुक्त के आवास और कैंप कार्यालय का है. यहां प्रदर्शन करने के मामले में नगर निगम के कर्मचारियों ने एक शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में बताया गया है कि अमित अग्रवाल के साथ 50 से 60 अज्ञात लोगों ने कैंप कार्यालय में जमकर नारेबाजी शुरू कर दी थी. सूचना मिलते ही तत्काल भारी पुलिस बल को बुलाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया और लोगों की समस्याओं को सुना गया।

हिंदू संगठन के लोगों का आरोप था कि जनपद में ट्रेन की टक्कर से घायल होने वाली गायों की मदद गौशाला में मौजूद कर्मचारियों द्वारा नहीं की जाती है. इसके अलावा कई अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए

नगर आयुक्त के कैंप कार्यालय पर हंगामा किया गया. हालांकि, संगठन द्वारा की गई अधिकांश मांगें नगर निगम के अधिकार क्षेत्र से बाहर की पाई गई, जिसके संबंध में नगर आयुक्त ने एक पत्र जिलाधिकारी को सूचना दी गई है।

लगाए गंभीर आरोप

मुरादाबाद के थाना सिविल लाइंस में दर्ज हुए मुकदमे के बाद राष्ट्रीय बजरंग दल ने कई आरोप लगाए. संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रोहन सक्सेना ने कहा कि वे केवल अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन देने गए थे और वहां उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ किया था. रोहन सक्सेना ने आरोप लगाया है कि हनुमान चालीसा पढ़ने की वजह से ही उन पर यह मुकदमा दर्ज किया गया है।

FIR पर क्या बोली पुलिस?

नगर आयुक्त के कैंप कार्यालय पर हुए पूरे प्रकरण को लेकर थाना सिविल लाइंस पुलिस ने बताया कि उन्हें निगम कर्मचारियों की ओर से एक लिखित शिकायत प्राप्त हुई थी. शिकायत में लगाए गए गंभीर आरोपों के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 191(2), 332(C) और 221 के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है. पुलिस ने इस मामले में अमित अग्रवाल समेत 50 से 60 अज्ञात लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है. मुरादाबाद जिले में चल रहे इस प्रकरण को लेकर अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह ने प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों से बात की थी. उन्होंने मौके पर ही यह बताया था कि आप जितनी भी शिकायतें लेकर आए हैं, वे नगर निगम से संबंधित नहीं हैं. घायल पशुओं के इलाज के लिए पशु चिकित्सा विभाग कार्य करता है, जबकि जनपद में बंदरों के बढ़ते आतंक को लेकर वन विभाग काम करता है. नगर निगम के अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाया कि वे संबंधित विभाग में ज्ञापन दे सकते हैं।

लंका से लेकर मन तक — हर अंधकार पर विजय के प्रतीक श्री हनुमान जी

[पवनपुत्र का दिव्य अवतरण: जहाँ असंभव भी संभव बनता है]

[रामदूत का जन्मोत्सव: आत्मबल, साहस और अटूट श्रद्धा का महापर्व]

चैत्र पूर्णिमा की दिव्य चांदनी जैसे ही धरा पर बिखरती है, चारों ओर 'जय बजरंगबली' का गगनभेदी जयघोष गूंज उठता है। मंदिरों की घंटियां, शंखनाद और भक्ति-स्वर यह अनुभूति कराते हैं कि पवनपुत्र का पावन जन्मोत्सव आ पहुंचा है। हनुमान जन्मोत्सव केवल पर्व नहीं, बल्कि शक्ति, भक्ति और निस्वार्थ समर्पण के उस अमर आदर्श का उत्सव है, जिसने युगों से असंख्य लोगों को हर संकट से जूझने की प्रेरणा दी है। कलियुग के भय, अंधकार और अस्थिरता के बीच हनुमान जी का अवतरण यह विश्वास जगाता है कि सच्ची श्रद्धा, राम-नाम और अडिग साहस से कोई भी असंभव कार्य संभव हो सकता है। यही कारण है कि इस दिन भक्त उनके चरणों में शीश नवाकर अपने जीवन में शक्ति, निर्भयता और अटूट आस्था का वरदान मांगते हैं।

जब धर्म और शक्ति को नए प्रकाश की आवश्यकता थी, तब चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को माता अंजना और पिता केसरी के घर हनुमान जी का अवतरण हुआ। मान्यता है कि माता अंजना की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने अपने अंश से तेजस्वी पुत्र का वरदान दिया। उसी समय पवन देव ने अपना दिव्य तेज अंजना के गर्भ में स्थापित किया, इसलिए वे 'पवनपुत्र' कहलाए। बाल्यकाल में उनकी अलौकिक शक्ति तब प्रकट हुई, जब उन्होंने सूर्य को लाल फल समझकर निगल लिया। तीनों लोकों में हाहाकार मच गया और इंद्र के वज्र प्रहार से उनका जबड़ा घायल हो गया। तभी से वे 'हनुमान' कहलाए। यह कथा केवल चमत्कार नहीं, बल्कि इस सत्य का प्रमाण है कि तप, ईश्वर-कृपा और समर्पण साधारण जीवन को असाधारण बना देते हैं।

रामायण में हनुमान जी का व्यक्तित्व जितना विराट है, उतना ही प्रेरक भी। जब माता सीता की खोज असंभव लग रही थी, तब उन्होंने समुद्र लांघकर लंका पहुंचने का अद्वितीय साहस दिखाया। अशोक वाटिका में प्रभु राम का संदेश देकर उन्होंने निराशा में आशा जगा दी। रावण की सभा में वे निर्भीक होकर धर्म के पक्ष में खड़े रहे और अत्याचार बढ़ने पर लंका को अग्नि में जला दिया। लक्ष्मण के मूर्छित होने पर वे हिमालय पहुंचे और संजीवनी न पहचान पाने पर पूरा पर्वत उठा लाए। उनके हर पराक्रम में बल के साथ बुद्धि, निष्ठा, साहस और रामभक्ति की अमिट छाप दिखाई देती है। वे सिद्ध करते हैं कि सच्चा भक्त असंभव को भी संभव बना देता है।

जहाँ अपार शक्ति अक्सर अहंकार को जन्म देती है, वहीं हनुमान जी उसका सबसे उज्ज्वल अपवाद हैं। वे केवल बल के प्रतीक नहीं, बल्कि विनम्रता, संयम और सेवा के सर्वोच्च आदर्श भी हैं। लंका दहन जैसे महान पराक्रम के बाद भी उन्हें अपने सामर्थ्य का कभी अभिमान नहीं हुआ। उन्होंने स्वयं को सदैव 'राम का दास' माना। आज का युग सफलता और शक्ति को ही सबसे बड़ा मानता है, पर हनुमान जी सिखाते हैं कि भक्ति, अनुशासन और विनम्रता के बिना हर सामर्थ्य अधूरा है। वे बताते हैं कि अहंकार पतन की ओर ले जाता है, जबकि सेवा और समर्पण मनुष्य को महान बनाते हैं। इसी कारण हनुमान जी केवल देवता नहीं, बल्कि जीवन की ऐसी प्रेरणा हैं, जो युवाओं को साहस, विद्यार्थियों को एकाग्रता और समाज को सच्चे चरित्र का मार्ग दिखाती है।

जब जीवन संकट, भय, निराशा और असफलता से घिर जाता है, तब हनुमान जी की भक्ति भीतर नई शक्ति जगा देती है। हनुमान चालीसा, बजरंग बाण और सुंदरकांड केवल पाठ नहीं, आत्मबल जगाने वाले दिव्य मंत्र हैं। 'संकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा' केवल चौपाई नहीं, करोड़ों भक्तों का अनुभव है। मान्यता है कि इनके पाठ से भय, ग्रह-पीड़ा और नकारात्मकता दूर होती है। हनुमान जी का स्मरण मन को स्थिर, विचारों को सकारात्मक और कठिन समय में आत्मविश्वास से भर देता है। इसी कारण कलियुग में उन्हें शीघ्र कृपा करने वाले और संकट हरने वाले देवता माना गया है। उनके नाम का स्मरण मात्र ही हृदय में साहस और अटूट विश्वास जगा देता है।

हनुमान जन्मोत्सव का आगमन होते ही पूरा भारत भक्ति और उल्लास में डूब जाता है। मंदिरों में विशेष पूजा, हवन, सुंदरकांड पाठ और भजन-कीर्तन की गूंज फैल जाती है। अयोध्या, वाराणसी, दिल्ली और मेहंदीपुर बालाजी मंदिर जैसे तीर्थों में लाखों श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं। भक्त व्रत रखते हैं, सिंदूर चढ़ाते हैं और लड्डू-बूरा का भोग अर्पित करते हैं। अनेक स्थानों पर भव्य शोभायात्राएं निकलती हैं, जिनमें हनुमान जी की विशाल प्रतिमाएं, गदा और राम-नाम की पताकाएं वातावरण को दिव्य बना देती हैं। युवा 'जय श्री राम' और 'जय बजरंगबली' के जयघोष के साथ उत्साह से शामिल होते हैं। यह पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक आस्था का विराट रूप बन जाता है।

आज के अशांत और प्रतिस्पर्धी समय में हनुमान जी की शिक्षाएं पहले से अधिक आवश्यक हो गई हैं। भागदौड़, तनाव और असफलताओं के बीच मनुष्य स्वयं को कमजोर और अकेला महसूस करता है। ऐसे में हनुमान जी धैर्य, साहस और विश्वास का मार्ग दिखाते हैं। वे सिखाते हैं कि कठिनाइयों से डरना नहीं, उनका सामना करना ही सच्चा पराक्रम है। विद्यार्थी उनसे एकाग्रता और परिश्रम सीखते हैं, युवा आत्मविश्वास और नैतिक बल पाते हैं, जबकि समाज उनसे निष्ठा और कर्तव्य का पाठ लेता है। हनुमान जन्मोत्सव के सत्संग और प्रवचन यह समझाते हैं कि जीवन की सबसे बड़ी विजय दूसरों पर नहीं, बल्कि अपने भीतर के भय, क्रोध, लोभ और अहंकार पर होती है।

जब मनुष्य अपने भीतर की शक्ति को पहचान लेता है, तभी जीवन का सच्चा अर्थ प्रकट होता है। हनुमान जन्मोत्सव यही संदेश देता है कि वास्तविक बल शरीर में नहीं, आत्मा में होता है। यह पर्व केवल हनुमान जी के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि भक्ति, सेवा और धर्म के अमर आदर्श का स्मरण है। 'मंगल मूरति मारुति नंदन' का जाप करते ही मन में राम-प्रेम, साहस और विश्वास जाग उठता है। इस पावन अवसर पर भय, नकारात्मकता और अहंकार को त्यागकर सेवा और समर्पण अपनाएं। संकटमोचन के चरणों में श्रद्धा अर्पित करें, क्योंकि जब तक 'जय श्री राम' की ध्वनि गूंजेगी, तब तक 'जय बजरंगबली' का प्रकाश भी अमर रहेगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता भारत सुरक्षा विकास और विश्वास की नई विजयगाथा

भारत ने लंबे समय तक जिस आंतरिक चुनौती का सामना किया वह नक्सलवाद के रूप में देश के अनेक हिस्सों में फैली रही। यह समस्या केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं थी बल्कि इसने सामाजिक आर्थिक और मानवीय जीवन को भी गहराई से प्रभावित किया। दशकों तक आदिवासी क्षेत्रों में भय असुरक्षा और पिछड़ापन बना रहा। गांवों में विकास की रफ्तार थम गई और लोगों का भरोसा व्यवस्था से डगमगाने लगा। आज जब देश नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस परिवर्तन के पीछे की नीति संकल्प और प्रयासों को समझा जाए।

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है। नक्सलवाद की जड़ें अक्सर गरीबी और पिछड़ेपन से जोड़कर देखी जाती रही हैं। लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल रही है। कई ऐसे क्षेत्र भी थे जहां आर्थिक स्थिति कमजोर थी फिर भी वहां नक्सलवाद नहीं पनपा। इसका अर्थ यह है कि नक्सलवाद केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि एक वैचारिक और रणनीतिक चुनौती भी था। वामपंथी उग्रवाद ने आदिवासी समाज को अपने प्रभाव में लेकर उन्हें मुख्यधारा से दूर करने का प्रयास किया। स्कूलों को जलाना विकास कार्यों को रोकना और भय का वातावरण बनाना इस रणनीति का हिस्सा रहा।

गृह मंत्रालय ने इस सच्चाई को समझते हुए अपनी नीति तैयार की। सुरक्षा बलों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया गया। खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया और स्थानीय पुलिस को सशक्त किया गया। इसके साथ ही आत्मसमर्पण की नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया गया जिससे बड़ी संख्या में नक्सली मुख्यधारा में लौटे। यह केवल सैन्य सफलता नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्वास का भी उदाहरण है।

बस्तर जैसे क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिला वह इस नीति की सफलता का प्रमाण है। जहां कभी प्रशासन की पहुंच सीमित थी वहां आज सरकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं। राशन की दुकानों से लेकर स्वास्थ्य केंद्र तक लोगों को सुविधाएं मिल रही हैं। आधार और राशन कार्ड के माध्यम से लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। इससे लोगों का विश्वास बढ़ा है और वे हिंसा से दूर होकर विकास की राह पर चलने लगे हैं।

इसके विपरीत यदि पिछले दशकों की स्थिति पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि लंबे समय तक इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना रहा। सड़कें नहीं बनीं स्कूल नहीं खुले और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंचीं। इस शून्य का लाभ उठाकर उग्रवादी संगठनों ने अपनी पकड़ मजबूत की। लोगों को यह विश्वास दिलाया गया कि व्यवस्था उनके खिलाफ है और हथियार उठाना ही एकमात्र रास्ता है।

यह भी देखा गया कि उस समय नक्सलवाद के खिलाफ स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव था। कई बार राजनीतिक इच्छाशक्ति कमजोर दिखाई दी और समस्या को टालने का प्रयास किया गया। इससे नक्सलवाद का विस्तार हुआ और वह कई राज्यों तक फैल गया। देश के एक बड़े भूभाग में इसका प्रभाव देखा गया जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न हुआ।

वर्तमान समय में स्थिति बदल चुकी है। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि हिंसा का रास्ता अपनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि जो लोग भटक गए हैं उन्हें वापस लाने का अवसर मिले। इस संतुलित दृष्टिकोण ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब आदिवासी समाज स्वयं इस बदलाव का भागीदार बन रहा है। वे समझ चुके हैं कि विकास और शांति ही उनके भविष्य का आधार है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार के कार्यक्रमों ने उन्हें नई दिशा दी है। युवा पीढ़ी अब हथियार नहीं बल्कि शिक्षा और रोजगार को अपना लक्ष्य बना रही है।

नक्सलवाद के अंत की यह यात्रा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे समाज की जीत है। इसमें सुरक्षा बलों का साहस प्रशासन की प्रतिबद्धता और आम नागरिकों का सहयोग सभी शामिल हैं। यह उदाहरण दर्शाता है कि यदि सही नीति और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य किया जाए तो सबसे जटिल समस्याओं का समाधान भी संभव है। आज जब देश इस चुनौती से लगभग मुक्त होने की ओर बढ़ रहा है तब यह आवश्यक है कि इस उपलब्धि को बनाए रखा जाए। विकास की गति को निरंतर बनाए रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी क्षेत्र फिर से पिछड़ापन और असुरक्षा का शिकार न बने। यही सच्चे अर्थों में नक्सलवाद के अंत की स्थायी गारंटी होगी। अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत ने एक लंबी और कठिन लड़ाई में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। गृह मंत्रालय के नेतृत्व में अपनाई गई रणनीति ने यह सिद्ध कर दिया है कि सुरक्षा और विकास साथ साथ चल सकते हैं। यह केवल एक समस्या का समाधान नहीं बल्कि नए भारत की दिशा का संकेत है जहां हर नागरिक को समान अवसर और सुरक्षित जीवन का अधिकार प्राप्त है।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

सड़क निर्माण में गुणवत्ता पर सख्ती: जवाबदेही की नई राह

देश में बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने के साथ-साथ उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना आज सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। इसी दिशा में भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा हाल ही में लिया गया सख्त निर्णय अत्यंत सराहनीय और दूरगामी प्रभाव वाला है। नई नीति के तहत यदि किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग में 50 मीटर से अधिक हिस्से में सड़क धंसती है, पुलिया में दरारें आती हैं अथवा निर्माण में तकनीकी खामियां पाई जाती हैं, तो संबंधित निर्माण कंपनी और ठेकेदार को न केवल भारी जुर्माने का सामना करना पड़ेगा, बल्कि उन्हें ब्लैकलिस्ट भी किया जाएगा। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब देशभर में सड़क निर्माण कार्य अभूतपूर्व गति से चल रहा है। सड़क परिवहन मंत्रालय जब से नितिन गडकरी के नेतृत्व में आया है, तब से बीते डेढ़ दशक में इस क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिले हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों का व्यापक विस्तार हुआ है और आज देश का लगभग हर जिला नेशनल हाईवे नेटवर्क से जुड़ चुका है। यह न केवल विकास की रफ्तार को बढ़ाता है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा प्रदान करता है।

हालांकि, तेज गति से हो रहे निर्माण कार्यों के बीच गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवाल चिंता का विषय रहे हैं। कई स्थानों पर नई बनी सड़कों में दरारें, धंसाव और खराब निर्माण की शिकायतें सामने आई हैं। इसी पृष्ठभूमि में मंत्रालय द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में सड़कों की गुणवत्ता और रखरखाव को लेकर नई गाइडलाइन तैयार की गई है, जो निर्माण एजेंसियों की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक ठोस पहल है। नितिन गडकरी की कार्यशैली शुरू से ही पारदर्शिता, समयबद्धता और परिणामोन्मुखी रही है। यही कारण है कि सड़क निर्माण के क्षेत्र में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। अब गुणवत्ता पर यह सख्ती इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि विकास केवल दिखावे तक सीमित न रहकर टिकाऊ और सुरक्षित भी हो।

केवल केंद्र सरकार ही नहीं, बल्कि राज्य सरकारों और जिला प्रशासन को भी इस नीति से प्रेरणा लेते हुए अपने-अपने स्तर पर सड़कों के निर्माण और रखरखाव में सख्त और पारदर्शी रवैया अपनाना चाहिए। यदि ईमानदारी से मानकों का पालन किया जाए, तो ग्रामीण सड़कों से लेकर राष्ट्रीय राजमार्गों तक गड्ढों और दरारों की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है। स्पष्ट है कि अब समय आ गया है जब 'तेज विकास' के साथ 'उच्च गुणवत्ता' को भी समान प्राथमिकता दी जाए। सख्त नियमों का ईमानदारी से पालन ही सड़कों की दशा और दिशा दोनों को बदल सकता है।

अरविंद रावल

डोनाल्ड ट्रंप अपनी नीतियों से ही घिरे, अमेरिकी संसद और इजरायल ट्रंप के नियंत्रण से बाहर

ईरान को लेकर बढ़ते युद्धपरक माहौल मे डोनाल्ड ट्रंप आक्रामक नीतियाँ स्वयं अमेरिका के भीतर गहरे राजनीतिक और सामाजिक विरोध को जन्म दे रही हैं। जहा अमेरिकी संसद के अनेक सांसद इस आशंका को लेकर मुखर हैं कि एक और बड़े युद्ध में उलझना न केवल आर्थिक रूप से भारी पड़ेगा बल्कि अमेरिका को दीर्घकालिक सैन्य दलदल में धकेल सकता है, वहीं अमेरिकी जनता के इराक और अफगानिस्तान के अनुभवों से सीख लेते हुए नए संघर्ष के प्रति उत्साहित नहीं है बल्कि सशंकित और विरोधी रुख में दिखाई दे रही है अमेरिका की लगभग 90 लाख जनता इसके विरोध में अलग-अलग शहरों में ट्रंप की नीतियों का खुलकर विरोध कर रही है। परिणाम स्वरूप ट्रंप का आत्मविश्वास अब धीरे-धीरे डगमगाने लगा है और ट्रंप अपने बौद्धिक तथा युद्ध की नीतियों को लागू करने में घबराने लगे हैं।

घरेलू स्तर पर बढ़ती महंगाई, ऊर्जा संकट और राजनीतिक ध्रुवीकरण के बीच युद्ध की संभावनाएँ ट्रंप प्रशासन को अपेक्षाकृत अलग-थलग करती नजर आ रही हैं।दूसरी ओर मध्य पूर्व में इजरायल डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के नियंत्रण से बाहर हो गया है इजरायल की स्थिति भी बहुस्तरीय दबावों से घिरी हुई है जहाँ बेंजामिन नेतनाहू की सरकार को एक तरफ सुरक्षा बनाए रखने की चुनौती है तो दूसरी तरफ लगातार सैन्य अभियानों के कारण सैनिकों की थकान, रिजर्व बलों पर बढ़ती निर्भरता और युद्ध की लंबी अवधि से उपजा मानसिक तनाव एक गंभीर चिंता बन चुका है। कई विश्लेषण यह संकेत देते हैं कि निरंतर युद्ध जैसी परिस्थितियों ने इजराइली सैनिकों की मनोबल और कार्यक्षमता दोनों को प्रभावित किया है जिससे भविष्य के अभियानों की गति और प्रभावशीलता पर असर पड़ सकता है। वहीं ईरान अपनी रणनीति के तहत प्रत्यक्ष टकराव से बचते हुए क्षेत्रीय सहयोगियों, प्रॉक्सी समूहों और सामरिक दबाव के माध्यम से संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। ईरान को अब हुति समूह का प्रत्यक्ष लाभ मिलना भी शुरू हो गया यह समूह लगातार इसराइल पर अलग-अलग तरीके से हमले करने लगा है। जिससे संघर्ष एक बहु-स्तरीय और अप्रत्यक्ष युद्ध का रूप लेता जा रहा है। यह स्थिति खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार मार्गों के लिए भी खतरा उत्पन्न कर रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य वैश्विक संस्थाएँ शांति की अपील तो कर रही हैं लेकिन उनका प्रभाव सीमित होता जा रहा है जिससे कूटनीतिक प्रयास अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं। इस पूरे परिदृश्य में अमेरिका का आंतरिक विरोध, इजराइल की सैन्य थकान, ईरान की रणनीतिक सक्रियता और वैश्विक शक्तियों की संतुलनकारी भूमिका मिलकर एक ऐसे जटिल भू-राजनीतिक संकट को जन्म दे रही हैं जहाँ किसी भी छोटी घटना से व्यापक युद्ध भड़कने की आशंका बनी हुई है। यदि यह टकराव नियंत्रित नहीं हुआ तो यह केवल क्षेत्रीय संघर्ष तक सीमित न रहकर वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक पुनर्संतुलन का कारण बन सकता है और यदि युद्ध परमाणु युद्ध में बदल जाता है तो वैश्विक स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी उसके परिणाम स्वरूप पूरी दुनिया में मानवता के लिए एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। आगामी युद्ध यदि परमाणु युद्ध में परिणत होता है तो यह युद्ध पिछले दो विश्व युद्ध और परमाणु युद्ध से ज्यादा भयानक होगा इसमें पूरे विश्व को नई मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है एवं पूरे विश्व में हाहाकार होने की संभावना बलवती हो गई है ।

संजीव ठाकुर

क्या वाकई इंटरनेट को युद्ध से खतरा है ?

आज के डिजिटल युग में जब हम अपने स्मार्टफोन की स्क्रीन पर एक स्पर्श करते हैं और दुनिया के किसी भी कोने की जानकारी क्षण भर में हमारे सामने आ जाती है, तो हमारे मन में यह धारणा प्रबल होने लगती है कि इंटरनेट एक अदृश्य और वायरलेस शक्ति है जो हवा या बादलों के माध्यम से तैर रही है। 'क्लाउड' शब्द के बढ़ते प्रयोग ने इस भ्रम को और गहरा कर दिया है, जिससे हमें लगता है कि हमारा डेटा कहीं अंतरिक्ष में सुरक्षित तरीके से तैर रहा है। लेकिन जब भू-राजनीतिक तनाव बढ़ते हैं और युद्ध की बातें सामने आती हैं, तो एक सवाल बार-बार उठता है कि क्या वाकई इस अदृश्य और व्यापक नेटवर्क को युद्ध से खतरा है? इसका सीधा और स्पष्ट उत्तर है- हाँ, इंटरनेट को युद्ध से सबसे अधिक और संगीन खतरा है, और यह खतरा किसी काल्पनिक साइबर फिल्म से कहीं अधिक वास्तविक और भयावह है।

वास्तविकता इस आभासी धारणा के बिल्कुल विपरीत और आश्चर्यजनक रूप से भौतिक है। हमारी संपूर्ण वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था, संचार तंत्र और यहां तक कि हमारी सामाजिक और सैन्य सुरक्षा भी समुद्र की अगाध गहराइयों में बिछे उन फाइबर ऑप्टिक केबल्स के एक जटिल जाल पर टिकी है, जिन्हें 'अंडर-सी केबल्स' कहा जाता है। दुनिया भर में फैले लगभग पांच सौ से अधिक ऐसे केबल्स का नेटवर्क ही वह अदृश्य जीवन रेखा है जो महाद्वीपों को एक दूसरे से जोड़ती है और वैश्विक इंटरनेट डेटा ट्रैफिक के नब्बे प्रतिशत से अधिक हिस्से का वहन करती है। आम धारणा के विपरीत, उपग्रह वैश्विक डेटा का केवल एक से तीन प्रतिशत हिस्सा ही संभाल पाते हैं, क्योंकि वे धीमी गति और अधिक लेटेंसी के साथ काम करते हैं। फाइबर ऑप्टिक केबल्स प्रकाश की गति से डेटा स्थानांतरित करती हैं, जो उन्हें आधुनिक सभ्यता के लिए अपरिहार्य बनाती हैं। लेकिन यही तकनीकी उपलब्धि आज एक बहुत बड़ी रणनीतिक चुनौती और कमजोरी बनकर उभरी है।

इन केबल्स की महत्ता और उनके द्वारा नियंत्रित होने वाले डेटा की मात्रा का विश्लेषण करें, तो हम पाएंगे कि आधुनिक सभ्यता का कोई भी कोना इनसे अछूता नहीं है। बैंकों के लेन-देन से लेकर शेयर बाजार की हलचल तक, और रक्षा प्रणालियों के गुप्त संचार से लेकर आम नागरिकों के वीडियो कॉल तक, सब कुछ इन्हीं गहरे समुद्री मार्गों से होकर गुजरता है। एशिया, यूरोप और अमेरिका जैसे बड़े महाद्वीपों के बीच होने वाला व्यापार और कूटनीतिक विनिमय पूरी तरह से इन केबल्स की अखंडता पर निर्भर है। जब कोई युद्ध छिड़ता है, तो सबसे पहले शत्रु देश की अर्थव्यवस्था और संचार तंत्र को चकनाचूर करने की कोशिश की जाती है। इसी निर्भरता ने एक ऐसा 'एकल बिंदु विफलता' उत्पन्न कर दिया है, जिसे नष्ट करना किसी भी शत्रु देश के लिए पूरी दुनिया को घुटनों पर लाने का सबसे आसान और सस्ता तरीका हो सकता है।

वर्तमान में जिस तरह से वैश्विक तनाव बढ़ रहा है, उसने इन केबल्स की सुरक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि समुद्र के तल पर भी लड़े जाएंगे। इन केबल्स को नुकसान पहुंचाना आज किसी भी आधुनिक सेना के लिए 'हाइब्रिड वॉरफेयर' का एक प्रमुख हिस्सा बन चुका है। कल्पना कीजिए कि यदि किसी संघर्ष के दौरान इन केबल्स को सुनियोजित तरीके से समुद्री बम या माइन ब्लास्ट के जरिए उड़ा दिया जाए या विशेष पनडुब्बियों के माध्यम से काट दिया जाए, तो परिणाम कितने विनाशकारी होंगे। इंटरनेट के बंद होने का मतलब केवल सोशल मीडिया का रुकना नहीं है, बल्कि इसका सीधा अर्थ है कि वैश्विक बैंकिंग प्रणाली ठप हो जाएगी, जिससे खरबों डॉलर का नुकसान मिनटों में हो सकता है। एटीएम काम करना बंद कर देंगे, क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन रुक जाएंगे और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए किए जाने वाले संचार के सभी माध्यम मृत हो जाएंगे। इससे भी भयावह यह है कि किसी देश की सैन्य और सुरक्षा एजेंसियां, जो गुप्त सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए इन सुरक्षित नेटवर्कों का उपयोग करती हैं, वे एक पल में अंधी और बहरी हो सकती हैं। यह स्थिति न केवल आर्थिक अराजकता पैदा करेगी, बल्कि किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता को गंभीर खतरे में डाल देगी।

इस खतरे की गंभीरता को समझने के लिए हमें इतिहास और हालिया घटनाओं की ओर देखना होगा। वर्ष 2024 में लाल सागर में हुई घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। वहां समुद्र के नीचे बिछी चार प्रमुख केबल्स को नुकसान पहुंचा, जिसका सीधा असर वैश्विक इंटरनेट कनेक्टिविटी और स्पीड पर पड़ा। उस समय इंटरनेट सेवाओं को पूरी तरह सामान्य करने में लगभग अस्सी दिन का समय लगा। यह घटना इस बात का जीवंत प्रमाण है कि समुद्र के नीचे स्थित ये ढांचे कितने असुरक्षित हैं। भले ही ये केबल्स स्टील की परतों और प्लास्टिक के आवरण से सुरक्षित की जाती हैं, लेकिन समुद्र की विशालता और वहां तक पहुंचने की मानवीय सीमाओं के कारण इनकी निगरानी करना लगभग असंभव है। केवल मानवीय हमले ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक आपदाएं जैसे समुद्री भूकंप, सुनामी या जहाज के लंगर के टकराने से भी ये केबल्स अक्सर क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन जब कोई क्षति युद्ध के दौरान जानबूझकर, किसी रणनीतिक लाभ के लिए पहुंचाई जाती है, तो वह पूरे विश्व के लिए एक सुरक्षा संकट बन जाती है।

अंडर-सी केबल्स की मरम्मत करना अपने आप में एक अत्यंत कठिन, खर्चीला और समय लेने वाला कार्य है। ये केबल्स समुद्र के तल में हजारों मीटर की गहराई पर स्थित होती हैं, जहां दबाव इतना अधिक होता है कि कोई भी सामान्य गोताखोर वहां तक नहीं पहुंच सकता। जब कोई केबल खराब होती है, तो उसे ठीक करने के लिए विशेष केबल-रिपेयर जहाजों की आवश्यकता होती है, जिनकी संख्या दुनिया भर में बहुत सीमित है। इन जहाजों को पहले खराबी के सटीक स्थान का पता लगाना होता है, जो कि मीलों लंबी केबल में सुई खोजने जैसा कठिन कार्य है। एक बार स्थान मिल जाने के बाद, रोबोटिक उपकरणों या विशेष हुक के जरिए केबल को समुद्र की सतह पर लाया जाता है। वहां तकनीशियन फाइबर के उन सूक्ष्म रेशों को जोड़ते हैं, जो बाल से भी पतले होते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में हफ्तों या कभी-कभी महीनों लग जाते हैं। यदि यह क्षेत्र किसी युद्धग्रस्त समुद्री सीमा में आता है, तो मरम्मत का कार्य लगभग नामुमकिन हो जाता है। यही कारण है कि यदि किसी बड़े पैमाने पर ऐसा हमला किसी युद्ध के दौरान हो, तो दुनिया का एक बड़ा हिस्सा लंबे समय के लिए डिजिटल अंधेरे में चला जाएगा।

इस भौतिक नुकसान के साथ-साथ, युद्ध का एक और बहुत खतरनाक पहलू है जो सीधे इंटरनेट को निशाना बनाता है, जिसे हम 'साइबर वॉरफेयर' कहते हैं। आधुनिक युद्धों में साइबर हमले पारंपरिक हथियारों के साथ-साथ उतनी ही ताकत से इस्तेमाल होते हैं। इसमें डीडॉस (छ्ष्ठश्वस्) अटैक, मैलवेयर, रैंसमवेयर और डेटा चोरी के जरिए इंटरनेट, नेटवर्क और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को अंदर से तबाह किया जाता है। हाल के वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध में हजारों साइबर हमले हुए, जिसमें मैलवेयर का इस्तेमाल करके बिजली ग्रिड, बैंकिंग प्रणाली और संचार नेटवर्क को ध्वस्त करने की कोशिश की गई। इसी तरह, मध्य पूर्व और एशिया में हालिया भू-राजनीतिक तनावों के दौरान लाखों साइबर अटैक दर्ज किए गए, जिनका लक्ष्य रेलवे, बैंकिंग और सरकारी साइट्स को ठप करना था। जब किसी देश का इंटरनेट कनेक्टिविटी चार प्रतिशत तक गिर जाता है, तो उसका असर आम नागरिकों से लेकर सेना तक पर पड़ता है। यह एक ऐसा हथियार है जिसे चलाने के लिए किसी सीमा पर सैनिकों को तैनात करने की जरूरत नहीं होती; एक कुशल हैकर कमरे में बैठकर भी किसी देश की अर्थव्यवस्था को पैरालाइज कर सकता है। आजकल 'डेटा संप्रभुता' और 'डिजिटल राष्ट्रवाद' की बातें खूब होती हैं, लेकिन जब तक हमारे डेटा का भौतिक और आभासी मार्ग असुरक्षित है, ये बातें अधूरी ही रहेंगी। दुनिया के अधिकांश अंडर-सी केबल्स का स्वामित्व कुछ बड़ी टेक कंपनियों या फिर अंतरराष्ट्रीय टेलीकॉम कंसोर्टियम के पास है। यह निजी स्वामित्व सुरक्षा की एक और परत को जटिल बना देता है, क्योंकि इन निजी कंपनियों के पास किसी राष्ट्र-राज्य द्वारा समर्थित सैन्य हमले से इन केबल्स की रक्षा करने की क्षमता नहीं है। वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति ऐसी है कि बड़ी शक्तियां अपनी समुद्री क्षमताओं को बढ़ा रही हैं ताकि वे समुद्र के नीचे की गतिविधियों पर नजर रख सकें। ऐसी पनडुब्बियों का विकास किया जा रहा है जो केबल्स से डेटा को चोरी-छिपे टैप कर सकें या उन्हें नुकसान पहुंचा सकें। वैश्विक तनाव बढ़ने के साथ-साथ यह डर भी सच हो रहा है कि कोई भी बड़ी शक्ति इन केबल्स को ब्लैकमेल के हथियार के रूप में उपयोग कर सकती है। यदि कोई देश यह धमकी देता है कि वह किसी विशेष क्षेत्र की इंटरनेट केबल्स को काट देगा, तो वह बिना एक भी गोली चलाए उस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को तबाह कर सकता है।

इस खतरे से निपटने के लिए दुनिया भर में वैकल्पिक रास्तों पर विचार किया जा रहा है। सैटेलाइट इंटरनेट, जैसे कि स्टारलिंक या अन्य प्रोजेक्ट, एक उम्मीद की किरण के रूप में देखे जा रहे हैं। ये उपग्रह सीधे अंतरिक्ष से डेटा प्रदान करते हैं, जिससे समुद्री केबल्स की आवश्यकता कम हो सकती है। लेकिन फिलहाल, इनकी क्षमता और लागत फाइबर केबल्स के मुकाबले बहुत कम और महंगी है। उपग्रह इंटरनेट अभी नब्बे प्रतिशत वैश्विक ट्रैफिक का बोझ उठाने के लिए तैयार नहीं है। इसके अलावा, अंतरिक्ष में मौजूद इन उपग्रहों को भी नष्ट किया जा सकता है, जो सुरक्षा की एक नई चुनौती पेश करता है। इसलिए, वर्तमान में समुद्र के नीचे बिछा यह जाल ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति और सबसे बड़ी कमजोरी बना हुआ है।

निष्कर्षतः, समुद्र के नीचे बिछी ये फाइबर ऑप्टिक केबल्स और उन पर आधारित डिजिटल नेटवर्क आधुनिक विश्व की वह अदृश्य रीढ़ हैं, जिस पर पूरी मानवता की प्रगति टिकी है। युद्ध इंटरनेट के लिए सबसे बड़ा खतरा इसलिए है क्योंकि यह न केवल इसके भौतिक आधार को नष्ट कर सकता है, बल्कि साइबर हमलों के माध्यम से इसके आभासी अस्तित्व को भी ध्वस्त कर सकता है। इनकी सुरक्षा केवल एक तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक कूटनीतिक और सामरिक अनिवार्यता है। यदि हम अपने डिजिटल भविष्य को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी संधियों और सुरक्षा प्रोटोकॉल की आवश्यकता है जो इन केबल्स और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को युद्ध के लक्ष्यों से बाहर रख सकें। भविष्य में किसी भी देश की वास्तविक ताकत इस बात से नहीं मापी जाएगी कि उसके पास कितनी परमाणु मिसाइलें हैं, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि वह अपने डेटा के भौतिक और आभासी मार्गों की रक्षा करने में कितना सक्षम है। जब तक हम समुद्र की गहराई और साइबर स्पेस में छिपे इस खतरे को नहीं समझेंगे, तब तक हमारा 'वायरलेस' होने का सपना एक ऐसे कमजोर धागे से बंधा रहेगा जो किसी भी युद्ध की एक चिंगारी से जलकर राख हो सकता है और आधुनिक सभ्यता को सदियों पीछे धकेल सकता है। इसलिए, यह समय है कि हम बादलों की ओर देखना बंद करें और समुद्र के तल की ओर ध्यान दें, जहां हमारी वास्तविक और सबसे असुरक्षित दुनिया बिछी हुई है।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

मेधावी छात्रों का सम्मान, उल्लासपूर्ण माहौल में परिणाम वितरण

बिसवां/सीतापुर ब्लॉक सकरन के प्राथमिक विद्यालय मनिकोड़ा में सत्र परीक्षाफल, प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरण समारोह उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कक्षा 1 से 5 तक के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। कक्षा 1 में आनंद राज प्रथम, तनु द्वितीय व दामिनी तृतीय रहीं। कक्षा 2 में कुलदीप, करन व सुभान क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 3 में अल्फिशा, सरस्वती व रोमा, कक्षा 4 में आलोक, अमन व रौनक तथा कक्षा 5 में आनंद राज, अर्पित राज व लाजवंती ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर एसएमसी अध्यक्ष माधुरी देवी सहित शिक्षक धीरेंद्र कुमार पटेल कमलेश कुमार, पप्पू सिंह, बृजेश त्रिपाठी व कफील अहमद उपस्थित रहे।

पीआरडी जवान के खाते से निकले 33.5 हजार

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे विजई मजरे मेरुई गांव निवासी पीआरडी जवान के दो खातों से 33 हजार पांच सौ रुपये निकल गए। मोबाइल पर रुपए निकल जाने के संदेश मिलने पर उसे अपने साथ हुई घटना का पता चला। पीड़ित जवान संतोष कुमार ने बताया कि वह बैंक ऑफ बड़ौदा का खाता धारक है। रविवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे से दो के बीच उसके खाते से तीन बार में 32 हजार रुपये निकल गए। इसी बीच केनरा बैंक शाखा के खाते से डेढ़ हजार रुपये निकल गए। बताया कि आधे घंटे के भीतर दोनों खातों से कुल 33 हजार 500 रुपये निकल गए। उसने पुलिस के अलावा डायल 1930 पर घटना की शिकायत की है। साइबर सेल में अपनी शिकायत दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

आलमपुर-रणगाँव मार्ग बनेगा सीसी रोड, 57.5 लाख से सुधरेगी तस्वीर

जर्जर सड़क से मिलेगी राहत, तहसील जाने में अब नहीं होगी परेशानी

लालगंज (रायबरेली)। विकासखंड क्षेत्र में आलमपुर से रणगाँव को जोड़ने वाला जर्जर मार्ग अब जल्द ही सीसी रोड में तब्दील किया जाएगा। इसके निर्माण पर करीब 57.5 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। यह सड़क लंबे समय से खस्ताहाल थी, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। नगर के अस्पताल मोड़ से तहसील तक जाने वाले इस मार्ग का करीब आधा किलोमीटर से अधिक हिस्सा बेहद खराब हो चुका था, जिससे आवागमन बाधित रहता था। स्थानीय लोगों ने कई बार इस समस्या को लेकर शिकायत की थी। इस मुद्दे को करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने भी उठाया और प्रभारी मंत्री सहित जनप्रतिनिधियों को पत्र लिखकर मार्ग निर्माण की मांग की थी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए लोक निर्माण विभाग ने अब सड़क निर्माण का निर्णय लिया है। इस मार्ग को सीसी रोड के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे आवागमन सुगम होगा। सड़क बनने के बाद नगर में जाम की समस्या भी कम होने की उम्मीद है। बछरावां रोड की ओर जाने वाले वाहन चालक इस मार्ग का वैकल्पिक रास्ते के रूप में उपयोग कर सकेंगे। सड़क निर्माण की खबर से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। आलमपुर के बीपी सिंह, राजेश फौजी, लालजी यादव, अंशु यादव, आरडी यादव और रणवीर सिसोदिया समेत अन्य ग्रामीणों ने इसे राहत भरा कदम बताया। उनका कहना है कि अब तहसील आने-जाने में आसानी होगी और जाम से भी राहत मिलेगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम व पोस्ट कौंड्रिया ब्लॉक भरावन जिला हरदोई बीमा पालिसी संख्या है जिसमे नॉमिनी सोने श्री अंकित नॉमिनी कि सभी आई डी सोनेश्वरी नाम से बनी है मेरे दोनों नाम हैं सोने श्री उर्फ़ सोनेश्वरी पत्नी रमेश दोनों नामों से जाना जाता है जो लिखवाया है सत्य है।

भतोइया ओवरब्रिज अंडरपास पर पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, चालक समेत चार लोग घायल

लखनऊ। लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जब भुसा लादकर जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में चालक समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जबकि स्थानीय लोगों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे भतोइया गांव के पास स्थित ओवरब्रिज अंडरपास पर हुई। बताया जा रहा है कि औरास थाना क्षेत्र के मड़िया प्रतापपुर निवासी आशीष अपने साथियों राधे, सूरज और पुष्पेंद्र के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली में भुसा लादकर दुबग्गा बेचने के लिए जा रहे थे। सभी लोग सामान्य रूप से अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन ओवरब्रिज अंडरपास के पास पहुंचते ही अचानक ट्रॉली का संतुलन बिगड़ गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। ट्रॉली के पलटते ही उसमें सवार चारों लोग उसके नीचे दब गए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने तत्काल राहत कार्य शुरू कर दिया। आसपास के ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए बिना समय गंवाए घायलों को ट्रॉली के नीचे से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। ग्रामीणों की इस तत्परता के कारण घायलों की जान बचाई जा सकी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे के समय सड़क पर अन्य कोई वाहन मौजूद नहीं था, जिससे एक और बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना के कारण कुछ समय के लिए मार्ग बाधित हो गया और यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर रहीमाबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मार्ग को साफ कराया और यातायात को फिर से सामान्य कराया।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में भुसा अधिक मात्रा में लदा होने और वाहन के संतुलन बिगड़ने के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह भी देखा जा रहा है कि वाहन की गति और तकनीकी स्थिति क्या थी। यह हादसा एक बार फिर यह दर्शाता है कि ओवरलोडिंग और वाहन नियंत्रण में लापरवाही कितनी खतरनाक साबित हो सकती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे वाहनों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

लेफ्टिनेंट हरप्रीत सिंह को, नेकी की दीवार के अध्यक्ष गुरमेल सिंह व कार्यक्रम संयोजक रिजवान अंसारी ने शील्ड देकर किया सम्मानित,दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुकरा खीरी। तहसील गोला क्षेत्र के ग्राम पंचायत हजरतपुर निवासी लेफ्टिनेंट हरप्रीत सिंह के भारतीय सेना में अधिकारी बनने पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। सामाजिक संस्था 'नेकी की दीवार' के अध्यक्ष एवं संस्थापक गुरमेल सिंह को सूचना मिलते ही अपनी टीम के साथ गांव हजरतपुर पहुंचकर नव-नियुक्त लेफ्टिनेंट का फूलमालाओं से स्वागत किया और उन्हें शील्ड भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजित मिलन समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, मित्र और शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने लेफ्टिनेंट हरप्रीत सिंह को बधाई देते हुए उनकी सफलता पर गर्व व्यक्त किया।

लेफ्टिनेंट हरप्रीत सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्री गुरु नानक इंटर कॉलेज,पहाड़पुर खीरी से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने रक्षपाल बहादुर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट,बरेली से स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। वर्ष 2019 में भारतीय सेना में भर्ती होकर उन्होंने अपने सैन्य जीवन की शुरुआत की और कठिन परिश्रम,अनुशासन व लगन के बल पर अधिकारी पद तक का सफर तय किया। 11 दिसंबर 2025 को लखनऊ में आयोजित कमीशनिंग समारोह में उन्हें आर्मी मेडिकल कोर में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया गया। इसके बाद उन्होंने ऑफिसर ट्रेनिंग कॉलेज,लखनऊ में कठिन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया। वर्तमान में उनकी पहली नियुक्ति रांची में हुई है,जहां वे अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

गृह क्षेत्र पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। लोगों ने फूलमालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया और इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया।

इस दौरान उनके पिता सरदार गुरमुख सिंह और माता बलविंदर कौर अपने पुत्र की उपलब्धि पर बेहद गौरवान्वित नजर आए। परिवारजनों ने इसे मेहनत,अनुशासन और ईश्वर की कृपा का परिणाम बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट हरप्रीत सिंह ने कहा कि किसी भी सफलता के पीछे केवल व्यक्तिगत प्रयास नहीं बल्कि परिवार,गुरुओं और मित्रों का सहयोग भी महत्वपूर्ण होता है। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष गुरमेल सिंह व कार्यक्रम संयोजक रिजवान अंसारी, चौकी प्रभारी कुकरा अवलीश कुमार पवार, आरक्षी शैलेंद्र सिंह एवं शईद खान, गुलाब खान, जरनैल सिंह, हरविंदर सिंह गिल, नरविंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह, गुरमुख सिंह, केवल सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

काग़ज़ों पर खेल मैदान बनाकर लाखों का गोलमाल-आरोप पूर्व माध्यमिक विद्यालय

● **पहलनापुर का मामला बना क्षेत्र में चर्चा का विषय**

ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव की मिली भगत होने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी मामला विकासखंड विजुआ की ग्राम पंचायत पहलानापुर का है जहां पर खंड विकास अधिकारी और ग्राम प्रधान सहित पंचायत सचिव की मिली भगत से ग्राम पंचायत के विकास को आने वाले सरकारी धन का कागजों पर काम दिखाकर बंदर बांट कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पहलनापुर में कई चकमार्गो का कार्य कराए बगैर ही कागजों पर निर्माण कार्य दिखा कर भुगतान निकाला गया है।जबकि हकीकत की धरातल पर कहीं काम नहीं करवाया गया।मामले की लिखित शिकायत गाव के जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा की गयी लेकिन प मिल रहे हिस्से के चलते खंड विकास अधिकारी विजुआ द्वारा शिकायतकर्ता को ही डाट डपट कर भगा दिया गया और मामले को रफा-दफा कर दिया गया। आज तक मामले की जांच करना उचित नहीं समझ गया। ताजा मामला पूर्व माध्यमिक विद्यालय पलहनापुर का है जहां पर आज तक खेल मैदान का विकास कराया ही नहीं गया और खेल मैदान के विकास व निर्माण के नाम पर लाखों का बजट निकाल कर हजम कर लिए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इस संबंध में प्रधानाध्यापक त्रिभुवन प्रसाद ने बताया कि यह सब ग्राम प्रधान के द्वारा कराया जाता है मैं क्या कह सकता हूं अब निर्माण नहीं कराया गया तो मैं क्या कर सकता हूं। एक तरफ जहां जिले की तेजतर्रार जिला अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल विद्यालय में खेल मैदान विकसित करने पर खासा जोर दिए हैं वहीं ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव पालहनापुर जिला अधिकारी के आदेशों को ताक पर रखकर खेल मैदान का कागजों पर निर्माण कार्य दिखाकर लाखों का बजट बंदर बांट कर हजम कर गए है। हकीकत की जमीन पर कहीं पर भी खेल मैदान का निर्माण नहीं कराया गया है यदि मामले की कराई जाए उच्च स्तरीय जांच अथवा स्वयं जिला अधिकारी खीरी कर ले जांच तो भ्रष्टाचार का खुलासा तो होगा ही साथ ही साथ विद्यालय में बने खेल मैदान और बनवाई जा रहे अधो मानक मानक विपरीत अतिरिक्त कक्षा कक्ष निर्माण की भी पोल खुल कर आएगी सामने।

इस सम्बंध में प्रधानाध्यापक त्रिभुवन ने बताया कि खेल मैदान का निर्माण प्रधान द्वारा कराया जाता है उनके द्वारा नहीं कराया गया तो हम क्या कर सकते हैं।कक्षा कक्ष के निर्माण में सभी जगह दोम ईट का प्रयोग किया जाता है अकेले हम ही नहीं कर रहे हैं।

लखीमपुर खीरीः डूडा विभाग में 'वसूली' का बड़ा खेल, CLTC मधुकर तिवारी पर 50,000 तक वसूलने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अब गरीबों को छत देने के बजाय भ्रष्टाचार का अड्डा बनती जा रही है। जिला नगरीय विकास अभिकरण (DUDA) कार्यालय में तैनात CLTC मधुकर तिवारी पर हटाए गए पुराने सर्वेयरों के माध्यम से लाभार्थियों से अवैध वसूली कराने के सनसनीखेज आरोप लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, आवास की किश्त जारी करने के नाम पर लाभार्थियों से 20,000 से लेकर ?50,000 तक की मोटी रकम वसूली जा रही है।

हटाए गए सर्वेयर बने 'वसूली एजेंट'

शिकायतकर्ताओं का दावा है कि जिन सर्वेयरों को विभाग से पहले ही हटाया जा चुका है, उन्हें मधुकर तिवारी ने अपना 'प्राइवेट एजेंट' बना रखा है। ये पूर्व सर्वेयर फील्ड में जाकर लाभार्थियों को डराते हैं कि यदि पैसा नहीं दिया गया, तो उनकी अगली किश्त रोक दी जाएगी या उन्हें अपात्र घोषित कर दिया जाएगा। भ्रष्टाचार का फिक्स रेटः 20,000 से 50,000 तक योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि में से ही यह अवैध हिस्सा मांगा जाता है। लाभार्थियों का आरोप है किः किश्त के बदले कमीशनः पहली और दूसरी किश्त के समय लाभार्थियों पर दबाव बनाया जाता है कि वे तय रकम (20 से 50 हजार) पहुंचा दें। अपात्रों को 'पात्र' बनाने का खेलः मोटी रकम लेकर अपात्र लोगों को पात्र घोषित कर दिया जाता है, जबकि वास्तव में जरूरतमंद गरीब आज भी झोपड़ियों में रहने को मजबूर हैं।

जियो-टैगिंग में धांधलीः पैसा न देने वाले पात्र लाभार्थियों की जियो-टैगिंग (Geo-tagging) में कमियां निकालकर उनकी फाइलें लटका दी जाती हैं। शासन की मंशा पर पानी फेर रहे जिम्मेदार जहाँ एक ओर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री 'जीरो टॉलरेंस' की बात करते हैं, वहीं लखीमपुर डूडा में तैनात CLTC मधुकर तिवारी जैसे जिम्मेदार कर्मचारी अपनी जेबें भरने में मस्त हैं। हटाए गए बाहरी लोगों का विभाग के काम में हस्तक्षेप करना और वसूली करना एक बड़े सिंडिकेट की ओर इशारा करता है।

जिलाधिकारी से निष्पक्ष जांच की मांगः

जनपद के पीड़ित लाभार्थियों और जागरूक नागरिकों ने जिलाधिकारी (DM) लखीमपुर खीरी से इस मामले की तत्काल विजिलेंस जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि CLTC मधुकर तिवारी और उनके निजी वसूली एजेंटों के कॉल डिटेल्स और बैंक खातों की जांच की जाए, तो करोड़ों के घोटाले का पर्दाफाश हो सकता है।

दो अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव और तीन अप्रैल को भव्य जागरण की तैयारी पूरी

सिंगाही खीरीः- हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में भव्य तैयारियां चल रही हैं।इस होने वाले धार्मिक आयोजन में क्षेत्रवासी बढ़-चढ़कर के भाग ले रहे हैं।आपको बताते चलें की तहसील निघासन की ग्राम पंचायत सिंगहा कला के सिंगहा खुर्द स्थित प्राथमिक विद्यालय में श्री हनुमान जन्मोत्सव की भव्य तैयारी की जा रही है। इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में स्थानीय लोग बढ़-चढ़कर भाग लें रहे है।धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ यह आयोजन सभी के लिए एक आकर्षक होने वाला है।आइए जानते हैं कार्यक्रम के बारे में विस्तार से... @श्री हनुमान जन्मोत्सव की भव्य तैयारी। सिंगहा खुर्द स्थित प्राथमिक विद्यालय में श्री हनुमान जन्मोत्सव में किए जा रहे भव्य आयोजन में गुरुवार, 02 अप्रैल 2026 को बालाजी का भृंगार 05:30 बजे से शुरू होगा, जिसके बाद सुन्दर कांड का पाठ सायं 06 बजे होगा। रात्रि 09 बजे मातापिता पूजन का आयोजन होगा, जिसमें 56 भोग भी प्रस्तुत किए जाएंगे। शुक्रवार, 03 अप्रैल 2026 को रात्रि जागरण 8:30 बजे से शुरू होगा।आयोजकों ने वितरित की गई श्री हनुमान चालीसा को साथ में ले कर आने की लोगों से अपील की है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भजन और प्रसाद वितरण के साथ किया जाएगा,आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। जिसमें सभी को सादर आमंत्रित किया जाता है।

कृष्ण स्वरूप अग्रवाल सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में वार्षिक परीक्षा फल वितरण समारोह हुआ संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर कृष्ण स्वरूप अग्रवाल सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, बिसवां, सीतापुर में वार्षिक परीक्षाफल वितरण समारोह बड़े ही हर्षोल्लास, अनुशासन एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्राओं एवं उनके अभिभावकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया। समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ किया गया, जिसके पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या अल्पना अवस्थी ने सभी छात्राओं को उनके परीक्षा परिणाम के लिए बधाई देते हुए संबोधित किया। उन्होंने कहा कि परीक्षाफल केवल अंक का मूल्यांकन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के पूरे वर्ष के परिश्रम, लगन और अनुशासन का प्रतिबिंब होता है। उन्होंने छात्राओं को निरंतर मेहनत करते हुए अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी। विद्यालय के प्रबंधक सुरेंद्रपाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा ही जीवन को सही दिशा देने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने छात्राओं को न केवल शैक्षिक बल्कि नैतिक मूल्यों को भी अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहयोग देने का आग्रह किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सदस्य एकता गुप्ता, विवेक गुप्ता एवं गीता गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे अन्य छात्राओं को भी प्रेरणा मिली। साथ ही कक्षा में उत्कृष्ट अनुशासन, नियमित उपस्थिति एवं अन्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए भी छात्राओं की सराहना की गई। समारोह के अंत में विद्यालय परिसर में हर्ष, उत्साह एवं प्रेरणा का वातावरण व्याप्त रहा। यह आयोजन छात्राओं के लिए न केवल उपलब्धि का क्षण रहा, बल्कि उनके भविष्य के लिए एक नई ऊर्जा और संकल्प का स्रोत भी बना।

टूण्डला के सरस्वती शिशु मंदिर में परीक्षाफल व पुरस्कार वितरण समारोह धूमधाम से संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला– टूण्डला के सरस्वती शिशु मन्दिर में परीक्षाफल व पुरस्कार वितरण समारोह धूमधाम से मनाया गया। विगत कई वर्षों से विद्यालय की वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बालक व बालिकाओं को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता रहा है, इसी क्रम में विद्यालय के प्रांगण में प्रबन्ध समिति, अभिभावक व नगर के गणमान्य बंधुओं के सानिध्य में कार्यक्रम का शुभारंभ प्रेमपाल धनगर विधायक मुख्य अतिथि, भंवर सिंह चौधरी अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, विशिष्ट अतिथि,अमर सिंह समाज सेवी विशिष्ट, विनय भटनागर सेवा निवृत प्रबन्धक भारतीय स्टेट बैंक सहप्रबन्धक,वृन्दावन लाल गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार पौनिया के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण किया गया। सभी अतिथियों को प्रधानाचार्य राममोहन श्रीवास्तव ने पटका पहनाकर स्वागत किया गया। आकांक्षा दीक्षित ने कार्यक्रम का संचालन किया व सफल पुरातन छात्रों के उदाहरण से बच्चों में जोश भर दिया। इस अवसर पर विधायक प्रेमपाल धनगर ने उच्च पदों पर आसीन विद्यालय के पूर्व छात्रों का परिचय देकर कहा कि आप में ही भारत वर्ष को ऊंचाइयों तक ले जाने के सारे गुण विद्यमान हैं सभी शिशुओं को और अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है विद्यालय का गौरव आपके कृतत्व व व्यक्तिव पर निर्भर है। सरस्वती शिशु मंदिर में अंक ज्ञान व अक्षर ज्ञान के साथ साथ संस्कारक्षम वातावरण का निर्माण कराया जाता है शारीरिक, मानसिक बौद्धिक, आध्यात्मिक रुप से तैयार करके सर्वांगीण विकास किया जाता है अमर सिंह ने कहा कि सदैव परिश्रम का फल मीठा होता है हमे और मेहनत करनी चाहिए क्योंकि जिससे हम प्रतियोगी परीक्षा में अपना स्थान बना सकें। इस अवसर पर कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले सभी बालक बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर शुभकामनाएं दी, नगर पालिका अध्यक्ष ने शिशुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि कक्षा में स्थान लाना बहुत ही सरल है परन्तु उस स्थान पर अपने आप को स्थापित रखना बहुत कठिन है इसलिए अभी से अपनी न्यूनताओं को दूर कर प्रगति पथ पर अग्रसर हों, विनय भटनागर ने कहा कि अपनी पाठय पुस्तक के साथ साथ सामान्य ज्ञान को मजबूत करना होगा। कक्षा 8 से माही श्रीवास्तव प्रथम, कशिश यादव द्वितीय व हिमाशीं तृतीय रहीं। कक्षा 7 से प्रथम, राधिका सिंह, द्वितीय जानवी ,तृतीय स्थान आशी यादव ने प्राप्त किया। कक्षा 6 काव्या शर्मा प्रथम, लक्ष्यता सिंह द्वितीय व चाहत शर्मा तृतीय रहे। कक्षा 5 से दीक्षा वर्मा प्रथम, पलक यादव द्वितीय हर्षिता ने तृतीय स्थान पाया। कक्षा 4से बिन्दु प्रथम, काव्या व आरूषी दिशा ठाकुर तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 3 में माधवराज प्रथम, माधव वर्मा द्वितीय शिवालय शर्मा ने तृतीय स्थान पाया। कक्षा 2 से ज्योति यादव प्रथम, खुशी द्वितीय समन्या वआयुषी शर्मा, तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा प्रथम में, गौरव प्रथम द्वितीय डौली व सोनम ने तृतीय स्थान पाया । चत्र में खुशी प्रथम, मानवी गिरी द्वितीय शौर्य व तनिष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया रुद्म में अंकुर राजपूत प्रथम जानवी द्वितीय अक्षत सिंह व दिव्या ने, तृत्तीय स्थान पाया ।प्लेवे में सानवी शर्मा प्रथम आदित्य द्वितीय कार्तिक व लव्यांश जैन तृतीय रहे ।श्री सुशील कुमार पौनियां ने बच्चों को कहा कि काक चेष्टा वको ध्यानम श्वान निंद्रा तथैव च अल्पहारी गृह त्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणम, को अपने व्यवहार में लाना चाहिए। परीक्षा प्रमुख आकांक्षा दीक्षित ने बताया कि विद्यालय का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा है। विद्यालय में आये हुए अतिथियों का आभार विद्यालय के सह व्यवस्थापक वृन्दावन लाल गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, अभिभावक गण, पुरातन छात्रों के साथ अनेक गणमान्यों की उपस्थिति रवीन्द्र झा, ज्ञान सिंह चक, शिवराम सिंह महेश बघेल ,नैनैश बाबू, नूतन कुलश्रेष्ठ, मंजू सक्सेना, स्नेहलता शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, संजना, प्रियंका, दीपिका, नम्रता, शालू जी, मधू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

आखिर दो वर्षो से कौन डकार रहा 52 बच्चों का एमडीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अतिरिक्त कक्ष निर्माण में मानकों की अनदेखी के आरोप

दोयम दर्जे की ईट एवं चुनाई सामग्री लगवा कर गुणवत्ता विहीन निर्माण कराए जाने के ग्रामीणों ने लगाए प्रधानाध्यापक पर गंभीर आरोप

पूर्व माध्यमिक विद्यालय पालहनापुर में करवाए जा रहे अतिरिक्त कक्षा कक्ष निर्माण में गुणवत्ता विहीन मानक विपरीत सामग्री लगवा कर निर्माण कर कार्य कराए जाने के आरोप ग्रामीणों ने लगाए हैं ग्रामीणों का आरोप है जब एस्टीमेट में प्रथम श्रेणी एटा व अन्य सामग्री दर्शाई गई है तो फिर कक्ष निर्माण में दोयम दर्जे की ईट का प्रयोग किस सक्षम अधिकारी के द्वारा कराया जा रहा है?- यदि इस इमारत के करा ली जाए जांच तो कई खामियां आएगी नजर और निर्माण कार्य में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार का होगा खुलासा। दोयम दर्जे की ईट के मामले में प्रधानाध्यापक त्रिभुवन ने बताया दोमऔर पीला ईटा सभी विद्यालयों में लगवाई जाती है यह केवल मैं ही नहीं कर रहा हूं यह सभी जगह चलता है। अब देखना यह है कि उपरोक्त मामले पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण तिवारी व जिला अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल क्या एक्शन लेती हैं मामले की जांच टीम गठित कर कराई जाती है निष्पक्ष जांच या फिर यूं ही मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा।

लखीमपुर खीरी भले ही सुबे की सरकार के मुखिया बच्चों में होने वाले कुपोषण और बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को लेकर प्रत्येक सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को फल दूध और पौष्टिक गुणवत्ता युक्त गरमा गरम भोजन उपलब्ध कराने के लिए भारी भरकम बजट आवंटित कर रहे हैं। पर यह सब जिम्मेदारों की लापरवाही और प्रधानाध्यापक की नीति नीयत के चलते भ्रष्टाचार की भेट चढ़कर रह जाता है। ऐसा ही एक ताजा मामला पूर्व माध्यमिक विद्यालय पलहनापुर में प्रकाश में आया है जहां पर प्रधानाध्यापक द्वारा रोजाना 60 से 100 बच्चों की फर्जी हाजिरी लगाकर एमडीएम की कन्वर्जन कास्ट का बंदर वाट किए जाने के आरोप लगाये जा रहे हैं। सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पूर्व माध्यमिक विद्यालय पलहनापुर में मजरा वनटांगिया के लगभग 52 बच्चों को गत दो वर्षो से फल दूध एवं एमडीएम नसीब नहीं हुआ जबकि कागजों पर रोज एमडीएम बनता रहा और कन्वर्जन कास्ट का भुगतान भी निकाला जाता रहा है ।उक्त आरोप वन टांगिया के लोगों ने प्रधानाध्यापक पर लगाते हुए मामले की जांच कराए जाने की मांग की है। लोगों का आरोप है कि आखिर इन 52 बच्चों का एमडीएम कौन खाता रहा? और जिम्मेदार अफसर द्वारा मामले की जांच कर दोषी प्रधानाध्यापक के विरुद्ध कार्रवाई क्यों नहीं की गई? शायद ऊपर तक जा रहे कमाई के हिस्से के चलते साहब को सब कुछ आल इज बेल नजर आता रहा ।अब देखना यह है कि मामले की जांच कराई जाएगी या फिर यूं ही मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा।

चेयरमैन व पूर्व चेयरमैन पुत्र के बीच हुआ विवाद, केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर शोहरतगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल व उनके पति रवि अग्रवाल के खिलाफ अमर्यादित व आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए पूर्व चेयरमैन बबीता कसौधन के पुत्र सौरभ गुप्ता ने फेसबुक शान ए शोहरतगढ़ पर पोस्ट कर दिया।इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया और मामला हाथापाई तक पहुंच गया।पुलिस ने दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज कर लिया है। नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल सोमवार की सायंकाल अपने घर के सामने खड़ी थी कि इसी दौरान सौरभ गुप्ता अपने आवास पर जा रहे थे।दोनों पक्षों का आवास आमने-सामने हैं।उमा अग्रवाल ने सौरभ से कहा कि इतनी शर्मनाक व अश्लील भाषा पोस्ट करते हुए पर शर्म नहीं आ रही है।

एक महिला के ऊपर कीचड़ उछाल रहे हो। इतना कहते ही सौरभ गुप्ता आग बबूला हो गये और हाथापाई होने लगा इतने में वहां दोनों पक्ष के लोग व मोहल्लावासी इकठ्ठा हो गये।थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह पुलिस जवानों साथ मौके पर पहुंच मामले को शांत कराया।अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने सौरभ गुप्ता पर आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे खिलाफ यह पहली बार पोस्ट नहीं किया गया हैं आए दिन सौरभ गुप्ता मेरे व मेरे पति रवि अग्रवाल के खिलाफ अमर्यादित व आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए फेसबुक पर पोस्ट करते रहते हैं और आए दिन धमकी देते रहते हैं ।इसी बात को लेकर कल शिकायत की तो मेरे खिलाफ उग्र हो गये और हाथापाई करने लगे। इस मामले में थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर दोनों पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई के लिए जांच की जा रही है।

1.165 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

देवरिया। जनपद की कोतवाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने रामनाथ से कतरारी मार्ग पर छापेमारी कर राम प्रवेश कुमार निवासी रामनाथ देवरिया को 1 किलो 165 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अनित कुमार राय सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

संक्षिप्त खबरें

सांसद हिमाद्रि सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर क्षेत्र के रेल विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे

शहडोल सांसद हिमाद्रि सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर क्षेत्र के रेल विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे।

उन्होंने जनहित से संबंधित मांग पत्र सौंपते हुए नई रेल लाइनों के निर्माण, ट्रेनों के स्टॉपेज और कुछ रेल सेवाओं के विस्तार की मांग की।

शहडोल सांसद ने रीवा-शहडोल (वाया ब्यौहारी, जयसिंहनगर) तथा शहडोल-मंडला (वाया डिंडोरी) नई रेल लाइनों के निर्माण का प्रस्ताव रखा। उनका कहना है कि इन परियोजनाओं से आदिवासी बहुल क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। इसके साथ ही उन्होंने वेंकटनगर, बीरसिंहपुर, चंदिया रोड, नौरोजाबाद, निगोरा और करकली स्टेशनों पर नर्मदा एक्सप्रेस, बरौनी-गोंदिया तथा जबलपुर-अंबिकापुर एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग की, ताकि स्थानीय यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। सांसद ने कुछ ट्रेनों के विस्तार के प्रस्ताव भी रखे। इनमें चेन्नई-बिलासपुर एक्सप्रेस को शहडोल तक बढ़ाने, नागपुर-शहडोल एक्सप्रेस को अंबिकापुर तक विस्तार देने और रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस को प्रतिदिन चलाने की मांग शामिल है। इसके अलावा रीवा-मुंबई एक्सप्रेस को सप्ताह में तीन दिन कटनी-शहडोल-बिलासपुर मार्ग से संचालित करने का सुझाव दिया गया, जिससे क्षेत्र की देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से सीधी कनेक्टिविटी हो सके। सांसद ने उम्मीद जताई कि इन प्रस्तावों पर सकारात्मक निर्णय होने से क्षेत्र के विकास और यातायात सुविधाओं में बड़ा सुधार होगा।

अपने सर्कल से नदारद रहते हैं बीट प्रभारी करकटी

शहडोल जिले के करकटी बीट के प्रभारी अपने कार्यक्षेत्र से बाहर रहते हैं। आपको बता दे कि इस दिनों गर्मी का माहौल चल रहा हैं और पूरा जंगल किसी का इंतजार कर रहा । प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने बताया कि बीट गार्ड अपने निवास पर आज तक नहीं रुके हैं जबकि शहडोल डीएफओ के साफ आदेश हैं कि जिनकी भी ड्यूटी जिस जगह हैं वो वही निवास रहे जिससे कि जंगल और ग्रामीण दोनों ही सुरक्षित रहें। जंगल के बिना फॉरेस्ट गार्ड और गार्ड के बिना जंगल पूरा सुना सुना सा ।

फारेस्ट गार्ड सुधीर तिवारी की लगातार ग्रामीणों ने किया विरोध

प्राप्त सूत्रों के पता चला हैं कि सुधीर तिवारी अपने कार्यक्षेत्र से बाहर ही रहते हैं। दिन के समय एक दो चक्कर लगाकर अपने निज निवास का आ जाते हैं। जबकि ग्रामीणों ने बताया हैं कि सरकार के द्वारा लाखों रुपए का निवास भी बीट प्रभारी को दिया हैं लेकिन आज दिनाँक तक एक भी दिन नहीं रुके हैं।

बलिया में दुकान पर हमला और लूटकांडः फरार आरोपी हरेराम गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

बलिया। सदर कोतवाली क्षेत्र में दुकान पर हमला, तोड़फोड़ और लूटपाट के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। घटना 17 दिसंबर 2025 की है, जब कुछ हमलावरों ने हॉकी, डंडे और लोहे की रॉड से लैस होकर दुकानों पर हमला कर दिया था। आरोपियों ने दुकान में मौजूद दो कर्मचारियों के साथ मारपीट की और दो दुकानों में जमकर तोड़फोड़ की। इस दौरान हमलावर मोबाइल फोन और नकदी भी लूट ले गए थे। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी क्रम में सदर कोतवाली पुलिस ने उप निरीक्षक सौरभ कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सूचना पर आरोपी हरेराम को चितू पांडेय चौराहे के आगे कटहल नाले के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी हरेराम, थाना फेफना क्षेत्र के पाण्डेयपुर मिश्र गांव का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश, दिल्ली पुलिस ने 1.10 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ के साथ 4 तस्करों को दबोचा

● पूर्वी जिले की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड की बड़ी कार्रवाई, कोकीन और एमडीएमए बरामद, चोरी की स्कूटी और फर्जी नंबर प्लेट का भी खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली पुलिस के पूर्वी जिले की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 1 करोड़ 10 लाख रुपये कीमत की भारी मात्रा में कोकीन और एमडीएमए बरामद की है। इसके साथ ही नशीले पदार्थों की सप्लाई में इस्तेमाल की जा रही दो स्कूटियां भी जब्त की गई, जिनमें से एक पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी और वह चोरी की निकली।पूर्वी जिले में नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड को सूचना मिली कि मोहम्मद हसन नाम का युवक प्रीत विहार स्थित चित्रा विहार झुग्गी रेड लाइट और कोहिनूर होटल के पास एमडीएमए की सप्लाई करने आने वाला है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने जाल बिछाया और मोहम्मद हसन को स्कूटी सहित पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 7.58 ग्राम एमडीएमए बरामद हुई।पूछताछ में मोहम्मद हसन ने खुलासा किया कि वह यह नशीला पदार्थ एक अफ्रीकी मूल के व्यक्ति 'ऑस्कर' से लेता था, जो श्रीनिवासपुरी और आउटर रिंग रोड के आसपास उससे मिलता था। इसके बाद पुलिस ने 27 और 28 मार्च की रात श्रीनिवासपुरी के पास जाल बिछाकर अफ्रीकी नागरिक डियूफ सोलोमन उर्फ ऑस्कर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 4.43 ग्राम एमडीएमए बरामद हुई। वह जिस स्कूटी पर सवार था, उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी।

जांच में पता चला कि यह स्कूटी उत्तम नगर इलाके से चोरी की गई थी।ऑस्कर लगातार अपना पता और अपने साथियों की जानकारी छिपाने की कोशिश करता रहा, लेकिन पुलिस ने तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों की मदद से उसके ठिकाने का पता लगा लिया। इसके बाद अमृतपुरी स्थित उसके ठिकाने पर छापा मारा गया, जहां उसका साथी बेमाह भी मिला।

दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने 120.18 ग्राम कोकीन और 15.71 ग्राम एमडीएमए बरामद की। इसके अलावा एक इलेक्ट्रॉनिक पैकिंग मशीन, दो इलेक्ट्रॉनिक तराजू, खाली पॉलीथिन, छह मोबाइल फोन, दो पासपोर्ट और नकदी भी बरामद हुई। जांच आगे बढ़ने पर मोहम्मद हसन ने एक महिला रजिया का नाम भी बताया, जो मंडावली क्षेत्र में नशीले पदार्थ बेचती थी। इसके बाद पुलिस ने कृष्णा पुरी, मंडावली स्थित उसके घर पर छापा मारा।

वहां से 9.14 ग्राम एमडीएमए, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, पैकिंग सामग्री और नकदी बरामद हुई। रजिया को भी गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस जांच में सामने आया कि मोहम्मद हसन पहले खुद एमडीएमए का सेवन करता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात ऑस्कर से हुई और बाद में वह उससे छोटे पैकेट खरीदकर आगे बेचने लगा। बाद में उसने रजिया के साथ मिलकर इसे कमाई का जरिया बना लिया। यह पूरा गिरोह दिल्ली में युवाओं को निशाना बनाकर नशे का कारोबार कर रहा था और मोटे मुनाफे के लिए संगठित तरीके से ड्रग्स की सप्लाई करता था।

दिल्ली पुलिस का कहना है कि नशे के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे गिरोहों पर लगातार कार्रवाई की जाएगी, ताकि राजधानी को नशामुक्त बनाया जा सके।

रामकृष्णनगर में चुनावी प्रचार चरम पर, बीजेपी बनाम कांग्रेस में कड़ा मुकाबले का संकेत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में जैसे-जैसे चुनाव नज़दीक आ रहा है, वैसे-वैसे राजनीतिक सरगर्मी तेज़ होती जा रही है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) के बीच सीधा मुकाबला अब और भी दिलचस्प होता जा रहा है। वर्तमान के दो बार विधायक एवं बीजेपी प्रत्याशी विजय मालाकार तथा कांग्रेस प्रत्याशी, वकील और पूर्व जिला परिषद सदस्य सुरुचि राय दोनों ही सभाओं और रैलियों के जरिए जोरदार प्रचार अभियान चला रहे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी सुरुचि राय ने अपने जनसभाओं में शिक्षा को मुख्य मुद्दा बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र के दुल्लभछड़ा, निविया, चेरागी और रंगपुर जैसे दूरदराज़ इलाकों के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए कई किलोमीटर दूर रामकृष्णनगर जाना पड़ता है, जिससे मजदूर और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। उन्होंने वादा किया कि जीतने पर क्षेत्र में डिग्री कॉलेज, सर्कल ऑफिस और अन्य आवश्यक सरकारी संस्थानों की स्थापना की जाएगी। साथ ही, उन्होंने पिछले पंचायत चुनाव में अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। वहीं, बीजेपी उम्मीदवार विजय मालाकार विकास के मुद्दे को केंद्र में रखकर प्रचार कर रहे हैं। उनका दावा है कि कांग्रेस के लंबे शासनकाल की तुलना में बीजेपी ने कम समय में कहीं अधिक विकास कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि पहले क्षेत्र में संचार व्यवस्था कमजोर थी और कानून-व्यवस्था भी चिंताजनक थी, जबकि वर्तमान सरकार ने इन क्षेत्रों में सुधार किया है। उन्होंने जनता से पिछले और वर्तमान हालात की तुलना करने की अपील की और अपनी जीत को लेकर आशावाद जताया। कुल मिलाकर, रामकृष्णनगर में इस बार का चुनाव विकास बनाम बुनियादी सुविधाओं के मुद्दे पर केंद्रित होकर बेहद प्रतिस्पर्धी बन चुका है। अब देखना होगा कि मतदाता किसे अपना समर्थन देते हैं और इस कड़े मुकाबले में जीत किसकी होती है।

रामकृष्णनगर में कांग्रेस की नींव मजबूत हो रही है 'भूमि कन्या' सुरुचि राय के चारों ओर उत्साह, एकजुट नमः शूद्र और पाटनी समाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की उम्मीदवार सुरुचि राय को 'भूमि कन्या' के रूप में पेश करने से नमःशूद्र और पाटनी समाज में व्यापक उत्साह पैदा हुआ है। वे एकजुट होकर उन्हें समर्थन देने का आह्वान कर रहे हैं, जो चुनाव में बड़ा असर डाल सकता है। दूसरी ओर, उम्मीदवार सुरुचि राय स्वयं भी जीत के प्रति आश्वस्त हैं और दावा कर रही हैं कि विभिन्न समुदायों का समर्थन उनके पक्ष में मौजूद है। 2026 के आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए रामकृष्णनगर में नए राजनीतिक समीकरण का संकेत मिल रहा है। अपने समुदाय की 'भूमि कन्या' के रूप में कांग्रेस उम्मीदवार सुरुचि राय को लेकर नमःशूद्र और पाटनी समाज उत्साह में डूबा है।

लंबे समय बाद अपने समुदाय से किसी शिक्षित महिला को उम्मीदवार बनाने के लिए कांग्रेस के प्रति आभार जताते हुए समाज के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर वोट देने का आह्वान किया है। गत 30 मार्च (सोमवार) जिले के बरूआला में सुरुचि राय के आवास पर आयोजित एक सभा में इस एकता का संदेश स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आता है। सभा में उपस्थित वक्ता बीजेपी की आंतरिक परिस्थितियों को लेकर असंतोष व्यक्त करते हुए कहते हैं कि रामकृष्ण नगर में वर्तमान में पार्टी के भीतर लोकतांत्रिक माहौल की कमी है और एक व्यक्ति का प्रभुत्व ही प्रमुखता पा रहा है।

वर्तमान विधायक की भूमिका को लेकर भी वे अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए बताते हैं कि पार्टीकर्मियों की राय की अनदेखी होने के कारण संगठन के भीतर विभाजन पैदा हुआ है। कई आरोपों के बावजूद एक ही उम्मीदवार को दोबारा नामांकित किए जाने पर कार्यकर्ता-समर्थकों में असंतोष बढ़ गया है, ऐसा भी उनके द्वारा दावा किया गया। इस स्थिति में, नमःशूद्र समुदाय की एक शिक्षित, स्थानीय 'भूमि कन्या' को उम्मीदवार बनाने पर कांग्रेस के प्रति भरोसा बढ़ रहा है, ऐसा वक्ताओं का मानना है। उल्लेखनीय है कि रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में नमःशूद्र और पाटनी समाज मिलाकर लगभग 50 हजार मतदाता हैं, जो चुनाव परिणाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस प्रकार, इन दोनों समुदायों की एकजुट स्थिति राजनीतिक मंच पर विशेष महत्व रखती है। इस बीच, अपनी जीत को लेकर काफी आशावादी कांग्रेस उम्मीदवार सुरुचि राय हैं। उन्होंने कहा, अपनी समुदाय सहित सभी वर्ग के लोगों का समर्थन प्राप्त कर रहे हैं और राज्य में बदलाव की हवा बह रही है। वस्तु मूल्य वृद्धि का मामला उठाते हुए शासक दल पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, रसोई गैस से लेकर दैनिक आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम लोगों की पहुँच से बाहर हो गई हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि गौरव गगोई के नेतृत्व में राज्य में कांग्रेस सरकार बनेगी और रामकृष्णनगर में भी विभिन्न समुदायों का व्यापक समर्थन उनके पक्ष में है।

अमरकंटक सम्मेलन में बड़ी सौगातः राहुल सिंह राणा बने म.प्र. संगठन प्रभारी, अरविंद द्विवेदी प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष व जुनैद खान प्रदेश सचिव नियुक्त

● 144 वीं राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में हुआ ऐतिहासिक निर्णय, 350 पत्रकारों की मौजूदगी में गूंजा पत्रकार एकता का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दिनेश चौधरी की ख़ास रिपोर्ट

शहडोल। अमरकंटक मध्यप्रदेश की पावन धरा अमरकंटक, जो माँ नर्मदा के उद्गम स्थल के रूप में विश्व प्रसिद्ध है, वहां भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ (आई.एफ.डब्ल्यू.जे.) की 144वीं राष्ट्रीय कार्यसमिति एवं मध्यप्रदेश इकाई की दो दिवसीय बैठक (28-29 मार्च 2026) ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ संपन्न हुई। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से आए लगभग 350 पत्रकारों की गरिमामयी उपस्थिति में पत्रकार एकता, संगठन विस्तार और अधिकारों की मजबूती का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन, वैदिक मंत्रोच्चारण एवं शंखनाद के साथ हुआ, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। आयोजन के मुख्य अतिथि पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदे लाल सिंह मार्को रहे, जबकि अनेक जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पत्रकारों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।

मंच से बड़ी घोषणाएंः तीन प्रमुख नियुक्तियां बनी आकर्षण का केंद्र

सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष अवदेश भार्गव एवं मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र गौतम द्वारा मंच से महत्वपूर्ण संगठनात्मक घोषणाएं की गई, जिनमें राहुल सिंह राणा को मध्यप्रदेश का संगठन प्रभारी नियुक्त किया गया अरविंद द्विवेदी को प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष बनाया गया जुनैद खान को मध्यप्रदेश का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया। इन तीनों पदाधिकारियों को मंच पर सम्मान पत्र, सील्ड, पुष्पमाला, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर विधिवत सम्मानित किया गया। इस घोषणा के साथ ही पूरे पंडाल में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी और पत्रकार साथियों में उत्साह का माहौल बन गया।

भव्य स्वागत,सशक्त नेतृत्व और अनुशासित आयोजन बना मिसाल

कार्यक्रम में संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा ने स्वागत भाषण देते हुए देशभर से आए पत्रकारों एवं पदाधिकारियों का अभिनंदन किया। उनके कुशल नेतृत्व, संगठन क्षमता और मार्गदर्शन में यह आयोजन अत्यंत सफल, अनुशासित एवं भव्य रूप से संपन्न हुआ। मंच संचालन श्याम दास मानिकपुरी द्वारा प्रभावशाली ढंग से किया गया।

15 से 18 राज्यो के पत्रकारो से मिली बधाई

सम्मेलन में राष्ट्रीय स्तर के अनेक पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ पत्रकारों ने अपने विचार व्यक्त किए,और दी बधाई जिनमें प्रमुख रूप से सुनील थपलियाल (राष्ट्रीय अनुशासन समिति अध्यक्ष), एस.एन. श्याम (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, बिहार), गुलबहार गौरी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, उत्तराखंड), रमेश गांधी (राजस्थान), इरशाद खान (राष्ट्रीय महासचिव), अनमोल कुमार (अध्यक्ष, बिहार), हितेश मलनकर (महाराष्ट्र), भरत बेतकेकर (गोवा), दीपक कलवड़े (महाराष्ट्र), सुश्री सुलोचना पयाल (उत्तराखंड), स्वामी जगदिशानंद, विनोद कारकेय सहित अनेक वक्ताओं ने संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया और दी बधाई।

15 से अधिक राज्यों की भागीदारी, राष्ट्रीय एकता का अद्भुत संगम

इस भव्य आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों आंध्रप्रदेश, बिहार, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, गोवा, महाराष्ट्र, केरल, गुजरात, उत्तराखंड सहित 15 से 20 राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर संगठनात्मक मजबूती का परिचय दिया। विशेष रूप से उपस्थित अतिथियों में पी. रामकृष्णन (आंध्रप्रदेश), रमेश गांधी, दिलीप शाह (राजस्थान), श्याम नाथ, अनमोल कुमार (बिहार), गिरजाशंकर (उत्तरप्रदेश), सुनील थपलियाल, सुलोचना पयाल (उत्तराखंड), भरत जी, चन्द्रहाश दमोलकर (गोवा), गिरिराज बंजरिया (आगर मालवा), राजेन्द्र जोशी (मनासा), हितेश मावलंकर (मुंबई), भगवान भारद्वाज (दिल्ली), अब्दुल शकूर (आंध्रप्रदेश), अभिषेक जैन, कृष्णानंद शास्त्री सहित अनेक गणमान्य जनों का स्वागत सम्मान किया गया।

आयोजन समिति और जिलेभर के पत्रकारों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका इन्होंने ने भी दी बधाई मंचासीन अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान सम्मेलन के आयोजक एवं पदाधिकारियों द्वारा किया गया, व दी बधाई जिनमें, गोपाल दास बंसल, कमलेश श्रीवास्तव, मनोज सिंह, राम बाबू चौबे, श्रवण कुमार उपाध्याय, लुकमान अली, विजय उरमलिया (संभागीय अध्यक्ष), शैलेन्द्र तिवारी (जिला अध्यक्ष शहडोल), राजनारायण द्विवेदी (जिला अध्यक्ष अनुपपुर), अनिल तिवारी, विजय गुप्ता (ब्यौहारी), शमीम खान (धनपुरी), अजय पाल (महासचिव), अखिलेश मिश्रा, नरेश वर्मा, सगीर खान, गणेश केवट, जितेंद्र विश्वकर्मा, दीपक केवट, अजय केवट, छोटे लाल गुप्ता, श्याम दास मानिकपुरी,राजन त्रिपाठी, गोपाल जेठानी, सतेंद्र सोनी, लुकमान अली, नीलेश गुप्ता, सोनू खान,अनिल तिवारी, अजय केवट,कमलेश श्रीवास्तव, मनोज सिंह,अनिल दुवेदी, दीपक केवट, फरीद खान,हसन खान, सैफी खान, अजय पाल, प्रतीक मिश्रा, अखिलेश दुवेदी, अखिलेश मिश्रा, अजय मोटवानी, बृजेश,चंदन केवट, दुर्गेश दुवेदी, इस्लाम खान,सोनू श्रीवास्तव, निशांत गर्ग, संजय गर्ग,राहुल नामदेव, सादिक खान, स्वप्निल जैन, सुनीता सिंह, विजय सिंह (धनपुरी), रोहित वर्मा, शिवम कुशवाहा दिनेश चौधरी नीरज शर्मा एवं पूरी टीम शामिल रही और दी बधाई।

बधाइयों का सिलसिला जारी नई टीम से बढ़ी उम्मीदें

नई नियुक्तियों पर देशभर से आए पत्रकारों, पदाधिकारियों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों ने राहुल सिंह राणा, अरविंद द्विवेदी एवं जुनैद खान को शुभकामनाएं दीं और संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की अपेक्षा व्यक्त की। और कहा,अमरकंटक की इस ऐतिहासिक बैठक में हुई नियुक्तियां और लिए गए निर्णय आने वाले समय में मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पत्रकारिता के क्षेत्र में संगठनात्मक मजबूती, अधिकारों की रक्षा और एकजुटता का नया अध्याय लिखेंगे। यह सम्मेलन वास्तव में पत्रकारिता जगत के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

सीसीटीएनएस कार्यान्वयन में दिल्ली पुलिस फिर देश में नंबर-1

● लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर फरवरी 2026 में भी दिल्ली पुलिस ने प्रगति डैशबोर्ड में शीर्ष स्थान बरकरार रखा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली में दिल्ली पुलिस ने तकनीक आधारित पुलिसिंग और डिजिटल डेटा प्रबंधन के क्षेत्र में एक बार फिर देशभर में अपनी अग्रणी भूमिका साबित की है। दिल्ली पुलिस ने सीसीटीएनएस प्रगति डैशबोर्ड पर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस को अपनी सीसीटीएनएस प्रणाली के लिए प्रतिष्ठित ढ्ढस्ह 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन भी प्रदान किया गया है।दिल्ली पुलिस इससे पहले अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 में लगातार 100 प्रतिशत अंक हासिल कर चुकी थी। जनवरी 2026 में भी उसने पहला स्थान बरकरार रखा था और अब फरवरी 2026 में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि दिल्ली पुलिस डिजिटल पुलिसिंग, डेटा प्रबंधन और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म के उपयोग में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रही है।सीसीटीएनएस अर्थात अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम तथा आईसीजेएस यानी परस्पर क्रियाशील आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के जरिए दिल्ली पुलिस ने नवीन न्याय संहिता के तहत तकनीकी ढांचे को मजबूत बनाया है। गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा संचालित प्रगति डैशबोर्ड राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का मूल्यांकन डेटा की गुणवत्ता, मात्रा, समयबद्धता और सटीकता के आधार पर करता है।इस मूल्यांकन में पुलिस स्टेशनों की सीसीटीएनएस से कनेक्टिविटी, डिजास्टर रिकवरी सेंटर की स्थापना, कोर एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर में डेटा एंट्री, पुराने रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, राज्य डेटा सेंटर और राष्ट्रीय डेटा सेंटर के बीच डेटा सिंक्रोनाइजेशन, अदालतों में एफआईआर की इलेक्ट्रॉनिक प्रस्तुति तथा नागरिक सेवाओं की ऑनलाइन उपलब्धता जैसे मानकों को शामिल किया जाता है।

इन सभी क्षेत्रों में दिल्ली पुलिस का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा।दिल्ली पुलिस को प्राप्त ढ्ढस्ह 9001:2015 प्रमाणन उसकी मानकीकृत और मजबूत कार्यप्रणाली की पुष्टि करता है। यह प्रमाणन एफआईआर, शिकायतों, जांच रिकॉर्ड, राज्यों के बीच डेटा साझा करने और सभी जिलों व थानों के बीच समन्वय जैसी सीसीटीएनएस प्रक्रियाओं को शामिल करता है। इससे स्पष्ट होता है कि दिल्ली पुलिस न केवल डिजिटल रिकॉर्ड को व्यवस्थित रूप से संचालित कर रही है, बल्कि नागरिकों को तेज और पारदर्शी सेवाएं भी उपलब्ध करा रही है।इस सफलता में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की सीसीटीएनएस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने डेटा की गुणवत्ता की लगातार निगरानी की, सभी जिलों और थानों के साथ वास्तविक समय में समन्वय बनाए रखा तथा तकनीकी और प्रक्रियागत समस्याओं का समय पर समाधान किया। साथ ही, सभी जिलों में अधिकारियों और कर्मचारियों को लगातार प्रशिक्षण और मार्गदर्शन भी दिया गया।दिल्ली पुलिस के विभिन्न जिलों ने भी समयसीमा का कड़ाई से पालन करते हुए जांच रिकॉर्ड को नियमित रूप से अपडेट किया और पुराने रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण को तेज किया। इस उपलब्धि के पीछे आदित्य गौतम, मुकेश राठी और राजीव श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन अधिकारियों ने रणनीतिक मार्गदर्शन, तकनीकी समन्वय और लगातार निगरानी के जरिए पूरे सिस्टम को प्रभावी बनाए रखा।सतीश गोलछा ने इस उपलब्धि पर सभी जिलों, इकाइयों और अपराध शाखा की सीसीटीएनएस टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस की यह सफलता तकनीक आधारित, पारदर्शी और नागरिक केंद्रित पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से भविष्य में भी इसी स्तर का प्रदर्शन बनाए रखने का आह्वान किया।

पालकी में सवार हो नगर भ्रमण को निकले भगवान महावीर

● जन्म कल्याणक महोत्सव धूम धाम से मनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बुढार। पूरे देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी सभी जगहों में तिथि अनुसार 30 मार्च को जिन शासन नायक भगवान महावीर की जन्म जयंती जैन अनुयायियों द्वारा भव्यता से पारंपरिक तरीकों से मनाई गई। बुढार में पूज्य निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर जी एवं पूज्य मुनि श्री शीतल सागर के पावन सानिध्य मिलने से इस वर्ष बुढार समाज में एक विशेष उत्साह देखने में आया। 30 मार्च दिन रविवार 2026 को प्रातः 7 बजे से श्री वासुपूज्य जिन मंदिरजी, श्री शांतिनाथ जिन मंदिर जी ,एवं पार्श्वनाथ जैन मंदिर जी में वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी जी की की जिन बिम्ब प्रतिमाओं में जन्माभिषेक , शांति धारा श्रद्धालुओं द्वारा किया गया । पार्श्वनाथ जैन मंदिर में मुनि श्री प्रसाद सागर जी, शीतल सागर जी के मुखारबिंद से 108 कलशों से भगवान महावीर स्वामी जी का महा मस्तकाभिषेक किया गया। मुनि श्री की आहार चर्या के पश्चात दोपहर 1.30 बजे श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर जी एवं शांतिनाथ जैन मंदिर से से श्री जी की भव्य शोभा यात्रा , विमान, रथ जी,एवं पालकी में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जो पारंपरिक मुख्य मार्ग से होती हुई वापस मंदिर जी में आहुत हुई, जहां नगर भ्रमण पश्चात श्री जी का मस्तकभिषेक दोनों मंदिरों में किया गया।

तत्पश्चात शांतिनाथ जिन मंदिर में समाज का सामूहिक भोज आयोजित हुआ। शाम के वक्त शांतिनाथ जिन मंदिर में भगवान की महा आरती एवं पाठशाला के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं वार्षिकोत्सव मनाया गया जिसमें पाठशाला के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। उक्त समस्त कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में बुढार, धनपुरी,सभी जगहों की कमेटियां, पाठशाला के बच्चों द्वारा बढ़ चढ़ कर भूमिकाएं निभाई गई, वासुपुज्य मंदिर समिति, शांतिनाथ मंदिर समिति, श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समिति, त्रिशला, जागृति व स्तुति महिला मंडल, पाठशाला समिति, विद्यासागर युवा संघ, बालिका मंडल व सकल जैन समाज बुढार ने पूर्ण हर्षोल्लास से भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया।